mediaauditornews@gmail.com Epaper.dainikmediaauditor.in वर्ष-30 अंक-150 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

01 जून 2026 सोमवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

दैनिक मीडिया ऑडिटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी पर हमले में 5 गिरफ्तार

● ममता बोलीं- हेलमेट नहीं होता तो जान चली जाती

भाजपा नेताओं-अफसरों ने डिस्चार्ज का दबाव बनाया

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले में पुलिस ने रविवार को 5 आरोपियों को अरेस्ट किया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इलाके से जुटाए गए वीडियो फुटेज के आधार पर रातभर छापेमारी कर आरोपियों को पकड़ा गया।

वहीं, ममता बनर्जी ने भतीजे अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले को साजिश बताया। ममता ने कहा- अभिषेक ने अगर हेलमेट नहीं पहना होता तो उनकी मौके पर जान जा सकती थी। हमले के चलते शरीर में खून के थक्के जम गए थे।

हमले के बाद अभिषेक को जब हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया तो अस्पताल प्रशासन पर इलाज न करने का दबाव डाला गया। साथ ही उन्हें जल्द डिस्चार्ज करने को कहा गया। पश्चिम बंगाल के दक्षिण सोनारपुर में टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी के साथ शनिवार को मारपीट की गई। वे यहां चुनाव के बाद हुई हिंसा के पीड़ित टीएमसी कार्यकर्ताओं से मिलने पहुंचे थे।

आरोप है भाजपा कार्यकर्ताओं ने उन्हें घेर लिया और नारेबाजी करते हुए उनके साथ मारपीट कर दी। लोगों ने उन पर पत्थर, जूते और अंडे फेंके, उनकी शर्ट फाड़ दी। अभिषेक को हेलमेट पहनाकर वहां से निकाला गया।

ममता ने कहा- साउथ कोलकाता के डीसीपी ने अस्पताल पर दबाव डाला: हमले के बाद अभिषेक को पहले अपोलो अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने घर पर आराम की सलाह दी थी। बाद में उन्हें बेले व्यू अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में अभिषेक से मिलने के बाद ममता बनर्जी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

ममता के 2 आरोप; बोलीं- अब घर पर इलाज... भाजपा नेताओं और दक्षिण कोलकाता के डीसीपी की ओर से डॉक्टरों और अस्पताल प्रबंधन को धमकी भरे फोन आ रहे थे। अगर अभिषेक की हालत गंभीर नहीं थी तो उन्हें इंटेसिव थैरेपी यूनिट (आईटीयू) में क्यों रखा गया? फिर अचानक उन्हें अस्पताल से छुट्टी क्यों दी गई? अब अभिषेक का इलाज घर पर ही होगा। उनके घर पर ऑक्सीजन सिलेंडर और अन्य मेडिकल उपकरण लगाए गए हैं।

सांसद कल्याण बनर्जी का आरोप- भाजपा समर्थकों ने हमला किया

सिर पर पत्थर मारा, कहा- निरंकुश सीएम अपने विरोधियों को खत्म करना चाहता है

हुगली ,एजेंसी। टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने रविवार को आरोप लगाया कि पुलिस स्टेशन के बाहर भाजपा समर्थकों ने उन पर हमला किया और उन्हें घायल कर दिया। बनर्जी हुगली में विधानसभा चुनावों के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी के खिलाफ ज्ञापन सौंपने के लिए चंडीतला पुलिस स्टेशन गए थे, जहां भीड़ ने उन्हें घेर लिया। इस पूरे घटनाक्रम का एक वीडियो सामने आया, जिसमें कल्याण बनर्जी पहले पुलिस स्टेशन के बाहर नारे लगाते दिखे। बाद में वे सिर पकड़कर जमीन पर लेटते नजर आए। कुछ देर बाद वे इस हमले के विरोध में थाने के बाहर ही बैठ गए। उन्हें अपने सिर के पिछले हिस्से पर कपड़ा रखे हुए देखा गया। हालांकि, BJP ने कल्याण के आरोपों का खंडन किया। कहा कि वे ड्रामा कर रहे हैं। उन्हें कोई चोट नहीं लगी। वे कल के अभिषेक बनर्जी के अंडे वाले विवाद से लोगों का ध्यान हटाना चाहते हैं।

: ब्रीफ बॉक्स :

जनरल सुब्रमणि ने देश के नए सीडीएस का पदभार संभाला

पाकिस्तान-चीन मामलों के एक्सपर्ट हैं; असली टास्क सेना में थिएटर कमांड मॉडल को लागू करना होगा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के नए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (CDS) जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने रविवार को पदभार संभाल लिया। दिल्ली में उन्हें साउथ ब्लॉक लॉन्स में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। वे देश के तीसरे छ्ष्ष्स है। उन्होंने जनरल अनिल चौहान की जगह ली है। जनरल चौहान शनिवार को रिटायर हुए थे। पदभार संभालने के बाद उन्होंने कहा कि भारतीय सेना, नौसेना, वायुसेना, रक्षा मंत्रालय और सभी संबंधित संस्थान देश की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए एकजुट हैं।

हिमाचल में बेंगलुरु के 8 टूरिस्ट की मौत

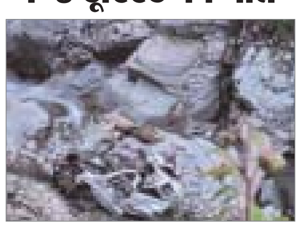

चंबा, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के चंबा के 'बैरागढ़-साच पास-किलाड़' मार्ग पर शुक्रवार रात एक गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त होने से दो बच्चों समेत आठ लोगों की मौत हो गई। इसमें बेंगलुरु से आए टूरिस्ट सवार थे। इनकी गाड़ी सड़क से करीब 500 मीटर नीचे गहरी खाई में गिरी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सूचना के अनुसार- बेंगलुरु से आए टूरिस्ट के दो परिवारों ने चंबा के डलहौजी से शुक्रवार को एक टैक्सी (मारुति आर्टिका कार) बुक करवाई।

तमिलनाडु सरकार को फैसला : प्राइवेट स्कूलों को नोटिस बोर्ड पर लिखनी होगी ट्यूशन फीस

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। अब राज्य के सभी निजी स्कूलों को अपने नोटिस बोर्ड पर ट्यूशन फीस की जानकारी देना अनिवार्य होगा। यह फीस सरकार ने तय की है। स्कूल शिक्षा विभाग ने यह कदम उन शिकायतों के बाद उठाया है जिनमें कहा गया था कि कई स्कूल तय सीमा से ज्यादा पैसे वसूल रहे हैं।

क्या बोले अधिकारी? विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को बताया कि राज्य के सभी सरकारी और निजी स्कूल चार जून से खुल रहे हैं।

मन की बात: मोदी बोले-दो दिन में 100 मीटर का नेशनल-रिकॉर्ड तीन बार टूटा

» गर्मी मिटाने के लिए देशी पेय पीते रहें

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात कार्यक्रम में गर्मी को लेकर बात की। पीएम ने कहा- हमारे यहां गर्मी से लड़ने का तरीका कई बार रसोई में भी मिलता है। आपने भी देखा होगा जैसे-जैसे गर्मी बढ़ती है, वैसे-वैसे घर की रसोई का स्वाद बदल जाता है।

पीएम ने कार्यक्रम में इस वक्त देश के दो चर्चित एथलीट की भी बात की। पीएम ने कहा- एक इवेंट जिसकी देशभर में बहुत चर्चा हो रही है, वह है 100 मीटर की रेस। महज दो दिनों के भीतर मेंस 100 मीटर रेस में नेशनल रिकॉर्ड तीन बार टूटा। जिन दो एथलीट्स ने ये कमाल दिखाया है वे हैं- गुरिंदरवीर सिंह और अनिमेष कुजूर। दरअसल गुरिंदरवीर सिंह ने 23 मई को रांची के बिरसा मुंडा स्टेडियम में आयोजित फेडरेशन कप सीनियर नेशनल एथलेटिक्स टूर्नामेंट की पुरुषों की 100 मीटर रेस 10.09 सेकेंड में पूरी की। वे भारत के सबसे तेज धावक बने। गुरिंदरवीर ने अपने प्रतिद्वंद्वी अनिमेष कुजूर को पीछे छोड़ा। पहले यह रिकॉर्ड अनिमेष के नाम था।

नीदरलैंड से 1000 साल पुरानी ताम्रपट्टिकाएं लाए

गर्मी में देशी पेय जल पीते रहें....

देशी पेय से आप भी परिचित हैं, अगर आप उत्तर भारत में जाएंगे तो काफी जगह आपको मिलेगा आम पन्ना, कच्चे आम का स्वाद, और गर्मी से राहत भी 7 पंजाब-हरियाणा जाइए तो लस्सी मिल जाएगी। राजस्थान और गुजरात में छाछ, जैसे हर खाने की साथी बन जाती है।

बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश में सत्तू का शरबत, उसकी तो बात ही क्या है – पेट भी भरे, ताकत भी दे। कोंकण और गोवा में कोकम शरबत, सोल कढ़ी। दक्षिण भारत में पानकम, नीर मोर, सम्बारम और ओडिशा में बेल पना, वो सिर्फ पेय नहीं, भारत के अलग-अलग क्षेत्रों की परंपरा का हिस्सा है।

गर्मी में आम खुशबू हर घर में: गर्मी आते ही एक और चर्चा हर घर में शुरु हो जाती है और वो है आम। हर इलाके का अपना आम, अपना स्वाद, अपनी खुशबू होती है। महाराष्ट्र और कोंकण का हापुस, अल्फांसो, गुजरात का केसर यह तो आमरस की जान है। उत्तर प्रदेश का दशहरी और मेरी काशी का लंगड़ा।

दक्षिण भारत जाइए, तो बंगनपल्ली, तोतापुरी, नीलम, मलगोवा, बंगाल का हिमसागर, ओडिशा और आंध्र प्रदेश का सुवर्णरखा। यानी जगह बदलती है, आम का रूप-रंग और उसका स्वाद भी बदल जाता है। साथियों आम की ये यात्रा, अब गांव से ग्लोबल मार्केट तक भी पहुंच रही है। मैं आम की पैदावार से जुड़े अपने किसान भाई-बहनों की प्रशंसा करूंगा। आप देश की कृषि अर्थव्यवस्था के लिए आम किसान नहीं बहुत विशेष हैं।

नीदरलैंड से चोल वंश की ताम्र पट्टिकाएं लाई गईं: बीते दिनों मुझे नीदरलैंड जाने का अवसर मिला। वहां एक विशेष समारोह में चोला काल की प्राचीन ताम्र पट्टिकाएं भारत को वापस सौंपी गई। उस कार्यक्रम में नीदरलैंड के प्रधानमंत्री भी मौजूद थे।

वन नेशन, वन इलेक्शन पर सुरक्षित रास्ता तलाश रही सरकार

» दो चरणों में लागू करने का प्रस्ताव; पहले 20 राज्यों के चुनाव एक साथ करने पर विचार

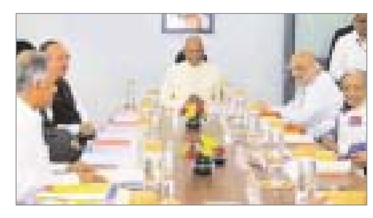

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार वन नेशन वन इलेक्शन के लिए सुरक्षित रास्ता तलाश रही है। इसके लिए बनी जेपीसी से जुड़े सूत्रों के मुताबिक समिति 'टू-फेज ट्रांजिशन मॉडल' पर विचार कर रही है, जिससे राज्यों में बार-बार चुनाव कराने या विधानसभाओं के कार्यकाल में बहुत बड़ी कटौती करने की जरूरत न पड़े। पूरे देश को एक साथ चुनावी चक्र में लाने के बजाय दो चरणों- 2029 और 2034 में बढ़ने का विकल्प सबसे व्यावहारिक माना जा रहा है। पहले चरण में 2029 के लोकसभा चुनाव के साथ करीब 20 राज्यों के विधानसभा चुनाव कराए जा सकते हैं।

संयुक्त संसदीय समिति (JPC) की अवधि 2026 के मानसून सत्र तक बढ़ाई जा चुकी है। ऐसे में 2029 से चुनावी चक्र एक करने की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। वहीं, 2034 तक पूरे देश को साझा चुनावी चक्र में लाने का लक्ष्य है।

संविधान में गुंजाइश है, लेकिन सहमति पर जोर... लॉ कमीशन के पूर्व सदस्य और मोहनलाल सुखाड़िया यूनिवर्सिटी के लॉ कॉलेज के डीन आनंद पालीवाल ने कहा कि एक देश-एक चुनाव' को चरणबद्ध तरीके से लागू करने के लिए संवैधानिक विकल्प मौजूद हैं।

जैसलमेर-जयपुर में रेतीले तूफान का अलर्ट

एमपी-यूपी समेत 7 राज्यों में गर्मी कम हुई, पारा 40डिग्री से नीचे

» रुद्रप्रयाग में मौसम बिगड़ा केदारनाथ यात्रा रुकी

नई दिल्ली/जयपुर, एजेंसी। वेस्टर्न डिस्टरबेंस के कारण मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, बिहार और ओडिशा में पिछले 15 दिन से चल रही भीषण गर्मी से राहत मिली है। आंधी, बारिश और ओले गिरने से इन राज्यों में पारा 40डिग्री से नीचे पहुंच गया है। आज भी हिमाचल, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, राजस्थान समेत 8 राज्यों में आंधी-बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में केदारनाथ यात्रा पर निकले श्रद्धालुओं को सुरक्षित स्थानों पर रोक दिया गया है। हालांकि, शनिवार को देश के 36 शहरों में पारा 40डिग्री से ज्यादा रहा। महाराष्ट्र के विदर्भ में तापमान अभी भी 44डिग्री से ज्यादा है। यहां का चंद्रपुर (चांदा) 44.8डिग्री तापमान के साथ देश में सबसे गर्म रहा। शनिवार को राजस्थान के 5 जिलों श्रीगंगानगर, बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़ और सीकर में शनिवार दोपहर 3 बजे रेतीला तूफान आया। इसका असर करीब 200 वर्ग किलोमीटर के इलाके में रहा।

इस रेतीले तूफान की शुरुआत हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर से हुई थी। बवंडर को पाकिस्तान की ओर से उठी तेज धूलभरी हवाओं ने रफ्तार दी थी। इस दौरान 56किमी. की रफ्तार से आंधी चली।

रेतीले तूफान के कारण दिन में अंधेरा छा गया। हवा के साथ आई रेत घरों में भर गई। IMD ने आज भी जैसलमेर और जयपुर में रेतीले तूफान का अलर्ट जारी किया है।

प्याज किसानों ने केंद्र से मांगा 10,000 करोड़ का राहत पैकेज

» सरकार की नीतियों पर उठाए सवाल

नासिक, एजेंसी। महाराष्ट्र के प्याज किसानों ने केंद्र सरकार से 10,000 करोड़ रुपये के विशेष राहत पैकेज की मांग की है। किसानों का कहना है कि निर्यात पर बार-बार रोक, प्राकृतिक आपदाओं और कीमतों में भारी गिरावट ने उन्हें गहरे आर्थिक संकट में धकेल दिया है। महाराष्ट्र राज्य प्याज उत्पादक किसान संगठन के संस्थापक अध्यक्ष भारत दिघोले ने यह मुद्दा उठाया है।

क्याबोले प्याज उत्पादक किसान संगठन अध्यक्ष? दिघोले के अनुसार, गलत निर्यात नीतियों, नकली बीजों और भंडारण में होने वाले नुकसान से किसानों को पिछले कुछ वर्षों में बहुत घाटा हुआ है। केंद्र सरकार ने 2019, 2020 और 2023-24 में प्याज के निर्यात पर पाबंदी लगाई थी। इसके अलावा 40 प्रतिशत निर्यात शुल्क और अलग-अलग समय पर न्यूनतम निर्यात मूल्य तय करने जैसे फैसलों ने भी किसानों को नुकसान पहुंचाया। सरकार ने जब नाफेड (NAFED) और एनसीसीएफ (NCCF) जैसी एजेंसियों के जरिए कम कीमतों पर प्याज बाजार में उतारा, तो इससे भी किसानों को मिलने वाले दाम गिर गए।

ईरान का दावा- अमेरिकी एमक्यू-1 ड्रोन मार गिराया

ट्रम्प बोले-समझौते की जल्दी नहीं धीरे-धीरे अपनी शर्तें मनवा रहे

» ईरान परमाणु हथियार न बनाने पर सहमत

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने दावा किया है कि उसकी एयर डिफेंस यूनिट ने रविवार को ईरानी हवाई सीमा में घुसे अमेरिकी रूक्त-1 ड्रोन को मार गिराया। यह जानकारी ईरान की तस्नीम न्यूज एजेंसी ने दी है।

IRGC के मुताबिक, ड्रोन को एयर डिफेंस और निगरानी सिस्टम ने तुरंत पहचान लिया था। इसके बाद एडवांस मिसाइल सिस्टम से उसे निशाना बनाकर गिरा दिया गया। ईरान ने दावा किया कि ड्रोन अमेरिकी सेना का था और दुश्मनी भरे ऑपरेशन के इरादे से सीमा में दाखिल हुआ था।

दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में कहा कि उन्हें ईरान के साथ समझौते की कोई जल्दी नहीं है। अमेरिका धीरे-धीरे अपनी शर्तें मनवा रहा है। हम बेहतरीन डील करेंगे और अगर ऐसा नहीं हुआ तो हम सैन्य तरीका अपनाएंगे। साथ ही ट्रम्प ने दावा किया कि, ईरान परमाणु हथियार न खरीदने पर सहमत हो गया है।

यूपी में छात्र की हत्या का आरोपी एनकाउंटर में ढेर

» सूर्या की मां बोलीं- लाश की फोटो दिखाओ, तब मानूंगी

बकरीद के दिन मारा था

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद में 11वीं के छात्र सूर्या चौहान की हत्या का मुख्य आरोपी असद (19) एनकाउंटर में मारा गया। आरोपी शहर छोड़कर भागने की फिराक में था। रविवार तड़के 4 बजे पुलिस ने उसे घेरा तो उसने फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में ढेर हो गया। पुलिस ने शनिवार को ही उस पर 50 हजार का इनाम घोषित किया था। मुठभेड़ शहर के वसुंधरा इलाके में हुई।

बकरीद के दिन (28 मई) 17 साल के सूर्या की हत्या हुई थी। नाबालिग दोस्त के मुताबिक, असद ने फोन करके सूर्या को बुलाया। साथियों के साथ उसे घेर लिया और चाकू से ताबड़तोड़ वार किए। वारदात से पहले उसने सूर्या से पूछा था- क्या कभी बकरा हलाल होते देखा है? आओ, दिखाते हैं। इसका CCTV भी सामने आया था।

एनकाउंटर पर सूर्या की मां ने कहा- असद की लाश की फोटो दिखाओ, तभी मानूंगी कि उसका एनकाउंटर हुआ है। बाकी आरोपियों का भी एनकाउंटर होना चाहिए। दो समुदायों से जुड़े होने के चलते मामले ने तूल पकड़ लिया। यूपी सरकार में मंत्री सुनील कुमार शर्मा सुबह 9 बजे सूर्या के परिवार से मिले। उन्होंने कहा- प्रदेश में किसी अपराधी के लिए कोई जगह नहीं है। परिवार के एक सदस्य को नौकरी दिलाएंगे।

बंगाल में बॉर्डर पर फेंसिंग लगाने पहुंची बीएसएफ

स्थानीय बोले: अब चैन से सो सकेंगे, बांग्लादेशी हमारी फसल नहीं काट पाएंगे

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल बॉर्डर का 600 किलोमीटर का एक हिस्सा ऐसा है, जहां बांग्लादेश के साथ सीमा पूरी तरह खुली है। कोई फेंसिंग नहीं है। यहां बीते दिनों जब बीएसएफ की टीम बॉर्डर नापने के लिए पहुंची तो गांव वालों ने मिठाइयां बांटी। यह इलाका है मुर्शिदाबाद जिले के जलंगी बाजार में जीरो लाइन पर बसा सकारपाड़ा गांव।

4 हजार की आबादी और 2500 मतदाता। इनमें 95% लोग खेती पर निर्भर हैं। गांव का भूगोल बेहद संवेदनशील है। घर खत्म होते ही खेत आ जाते हैं और खेत खत्म होते ही बांग्लादेश। ग्राम पंचायत सदस्य पिंटू मंडल का घर गांव में सबसे आखिर में है। परिवार के पास 30 बीघा जमीन है।

वहां से जैसे कोई हरकत होती, जवान माइक से चेतावनी दे देते। इसलिए हमें उम्मीद रहती है कि रात को जैसी फसल छोड़ेंगे, सुबह वैसी मिलेगी। अब तो हम भी अराजक बांग्लादेशियों को ताल ठोककर चुनौती दे रहे हैं।

स्थानीय बोले- शाम 5 बजे के बाद अपने खेतों में नहीं जा पाते थे...

स्थानीय पिंटू मंडल ने बताया कि हमें शाम 5 बजे के बाद अपने खेतों में जाने की अनुमति नहीं है, लेकिन बांग्लादेश के लोग कभी भी हमारे खेतों में घुस आते हैं और फसलें काटकर ले जाते हैं। बीते 30 साल में ऐसा कोई भी महीना नहीं बीता, जब उनसे विवाद न हुआ हो, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा, क्योंकि बीएसएफ ने फेंसिंग लगानी शुरू कर दी है।

बंगाल में नई सरकार बनने के बाद BSF को 27 किमी जमीन दी जा चुकी: बंगाल में नई सरकार बनने के बाद से अब तक बीएसएफ को बॉर्डर की 27 किमी जमीन दी जा चुकी है। इनमें 18 किमी में फेंसिंग होनी है और 9 किमी में बॉर्डर आउट पोस्ट विकसित करने की योजना है। शुरुआत जलपाईगुड़ी, कूचबिहार, सिलीगुड़ी, मालदा और मुर्शिदाबाद जैसे सीमावर्ती जिलों से की गई है। 10 दिन में मुर्शिदाबाद, कूचबिहार में बॉर्डर पर कुछ जगह बांग्लादेशियों ने सीमांकन का काम रोकने की कोशिशें कीं, पर बीएसएफ ने चेतावनियां देकर उन्हें भगा दिया।

सरकार का 45 दिनों में 600 एकड़ जमीन देने का लक्ष्य: सबसे ज्यादा जमीन मुर्शिदाबाद (38.80 एकड़) में दी गई है। इसके बाद जलपाईगुड़ी (35.16 एकड़) और कूचबिहार (22.92 एकड़) का स्थान है। यह जमीन भारत-बांग्लादेश सीमा पर बार्ब्ड वायर फेंसिंग (कंटीले तार), BSF आउटपोस्ट और सुरक्षा ढांचा बनाने के लिए दी गई है। राज्य सरकार ने कुल 600 एकड़ जमीन 45 दिनों के भीतर BSF को देने का लक्ष्य रखा है।

वायु सेना के जहाजों से नहीं रुकेगा पेपर लीक, सिस्टम सुधारें, केजरीवाल का केंद्र पर हमला

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पेपर लीक होने से रोकने के लिए उठाए जा रहे कदमों को निष्प्रभावी बताया है। केजरीवाल ने इस मुद्दे पर केंद्र की मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है। केजरीवाल ने कहा कि सरकार कह रही है कि नीट में पेपर लीक रोकने के लिए वायु सेना के जहाज इस्तेमाल किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि क्या इससे पेपर लीक रूकेगा? उन्होंने कहा कि इसके लिए सिस्टम ठीक करना होगा, कहा कि अगर सिस्टम को ठीक करना है तो सबको मिलकर कुछ करना होगा, अकेले किसी के कुछ करने से नहीं होगा। शनिवार को एक वीडियो संदेश जारी कर केजरीवाल ने कहा कि मैं खुद आइआइटी से इंजीनियर हूं, इसलिए शिक्षा के महत्व को समझता हूं। उन्होंने कहा कि मैं मानता हूं कि जब तक हर बच्चे को अच्छी शिक्षा नहीं मिलेगी, तब तक देश तरक्की नहीं कर सकता।

सिस्टम को ठीक करने का सरकार का कोई इरादा नहीं: केजरीवाल: उन्होंने कहा कि कहा कि शुक्रवार को हमारे देश की सरकार ने एलान किया है कि अब नीट के पेपर को लीक होने से बचाने के लिए एयरफोर्स के जहाज और एयरफोर्स के बुलेट प्रूफ ट्रकों से उसे ट्रांसपोर्ट करेंगे। केजरीवाल ने कहा कि पूरी दुनिया में इतने बड़े-बड़े पेपर होते हैं, लेकिन क्या कहीं सुना है कि एयरफोर्स से उन्हें ट्रांसपोर्ट किया जाता है केजरीवाल ने कहा कि सिस्टम को ठीक करने का सरकार का कोई इरादा नहीं है। अगर कोई अच्छी नीयत वाली सरकार होती, तो वह देखती कि लीकेज कहां से हो रही है और उसे प्लग करती।

ग्रेटर नोएडा की सोसायटी में बिल्डर ने बढ़ाया मेंटेनेंस शुल्क, निवासियों ने प्रदर्शन कर जताया आक्रोश

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की इकोविलेज एक सोसायटी में मेंटेनेंस प्रबंधन में निवासियों के बीच रार थमने का नाम नहीं ले रही है। मेंटेनेंस प्रबंधन की टीम ने रखरखाव शुल्क में बढ़ोतरी की है। बिल्डर के इस कदम से आक्रोशित निवासियों ने रविवार को प्रदर्शन कर विरोध जताया। इस संबंध में सोसायटी के लोगों ने बताया कि अब तक दो रुपये 36 पैसे स्क्वायर फीट के हिसाब से रखरखाव शुल्क वसूला जा रहा था। जिसमें बिल्डर प्रबंधन ने 86 पैसे की और वृद्धि कर दी है। बिल्डर ने बढ़ी दर एक जून से वसूलने का नोटिस जारी किया है। समिति के लोगों का आरोप है कि सोसाइटी में मूलभूत सुविधाओं की कमी है। बेसमेंट में गंदगी फैली हुई है। कूड़े का ढेर लगा हुआ है। इसे लेकर निवासी संक्रमण फैलने की आशंका जता रहे हैं। उसके बावजूद बिल्डर प्रबंधन का सफाई व्यवस्था के प्रति कोई ध्यान नहीं है।

सोसाइटी में लिफ्ट का भी बुरा हाल: सोसाइटी में लिफ्ट रखरखाव की दिशा में बिल्डर प्रबंधन ने कोई कदम नहीं उठाए हैं। आए दिन लोग लिफ्ट में फंसे रहते हैं। अग्निशमन उपकरणों की स्थिति खस्ता हाल है। पहले कई बार आग लगने की घटनाएं हो चुकी हैं। इस दिशा में भी मेंटेनेंस प्रबंधन ने कोई कदम नहीं उठाया है। निवासियों ने चेतावनी दी है कि जब तक व्यवस्थाओं को दुरुस्त नहीं कर दिया जाता तब तक मेंटेनेंस शुल्क में वृद्धि किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

केनेडी सेंटर नवीनीकरण मामला : नाम हटाने के आदेश पर फूटा राष्ट्रपति ट्रंप का गुस्सा, जज पर लगाया पक्षपात का आरोप

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शनिवार को एक बार फिर अदालत पर भड़क उठे। उन्होंने संघीय न्यायाधीश को ट्रंप विरोधी और नफरत करने वाला बताया। इस न्यायाधीश ने केनेडी सेंटर के मरम्मत काम पर रोक लगा दी है। ट्रंप ने कहा कि देश का यह बड़ा कला केंद्र अब जल्द ही बंद हो जाएगा। उन्होंने डर जताया कि यह केंद्र शायद फिर कभी नहीं खुलेगा। ट्रंप इस केंद्र को दो साल के लिए पूरी तरह बंद करना चाहते थे। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर एक लंबी पोस्ट लिखी। उन्होंने जिला न्यायाधीश क्रिस्टोफर कूपर के फैसले पर बहुत गुस्सा जताया। न्यायाधीश कूपर ने केंद्र से ट्रंप का नाम हटाने का भी आदेश दिया है। इस फैसले से ट्रंप बेहद परेशान दिखे। उन्होंने कहा कि उनके साथ कभी निष्पक्ष व्यवहार नहीं हो सकता।

प्रोजेक्ट से पीछे हटने का फैसला: ट्रंप ने कहा कि इस ऐतिहासिक इमारत को मरम्मत की बहुत जरूरत थी। हालांकि, उन्होंने यह साफ नहीं किया कि वह आगे कोर्ट में लड़ेंगे या नहीं। फैसले के कुछ घंटे बाद ही ट्रंप ने बड़ा एलान कर दिया। उन्होंने कहा कि वह अब इस काम से पीछे हट रहे हैं। वह इस केंद्र का पूरा जिम्मा वापस कांग्रेस को सौंप रहे हैं।

अभिषेक पर हमले के बाद राहुल गांधी ने ममता को किया फोन, इलाज के लिए की हैदराबाद ले जाने की पेशकश

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले के बाद विपक्षी एकजुटता देखने को मिल रही है। टीएमसी प्रमुख और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दावा किया है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने खुद उनसे फोन पर बात की है। शनिवार देर रात पत्रकारों से बात करते हुए ममता बनर्जी ने बताया कि राहुल गांधी ने उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी के इलाज के लिए मदद की पेशकश की है और जरूरत पड़ने पर पूरा साथ देने का भरोसा दिलाया है।

हैदराबाद या कहीं भी करा सकते हैं इलाज: ममता: ममता बनर्जी ने राहुल गांधी से हुई बातचीत का जिक्र करते हुए कहा कि राहुल गांधी ने मुझे फोन किया और कहा कि अगर किसी भी चीज की जरूरत हो, तो मैं उन्हें बता सकती हूं। उन्होंने यहां तक कहा कि वे अभिषेक बनर्जी को इलाज के लिए हैदराबाद या किसी भी दूसरी जगह ले जा सकते हैं। यह घटना तब हुई जब अभिषेक बनर्जी दक्षिण 24 परगना जिले के सोनारपुर इलाके में चुनाव के बाद हुई हिंसा से

पीड़ित परिवारों से मिलने गए थे। इसी दौरान उन पर कथित तौर पर हमला कर दिया गया।

पत्थरों और अंडों से हमला, फटी शर्ट: सोनारपुर से सामने आए वीडियो में देखा जा सकता है कि प्रदर्शनकारी टीएमसी नेता के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं और उन पर पत्थर, अंडे और जूते फेंके जा रहे हैं। कुछ दृश्यों में यह भी दिखा कि धक्का-मुक्की के दौरान अभिषेक बनर्जी की शर्ट फट गई और सुरक्षाकर्मी उन्हें वहां से सुरक्षित बाहर निकाल कर ले गए। अभिषेक बनर्जी ने खुद इस हमले को पहले से सोची-समझी साजिश बताया है। उन्होंने घटनास्थल पर पर्याप्त पुलिस बल न होने पर सवाल उठाते हुए कहा कि देखिए उन्होंने मेरे साथ क्या किया है। यह सब पहले से तय था। इलाके में कोई पुलिस मौजूद नहीं थी। वे मुझे मारना चाहते हैं।

अस्पतालों और डॉक्टरों पर दबाव का आरोप: मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने यह गंभीर आरोप भी लगाया कि घटना के बाद अभिषेक बनर्जी के इलाज को लेकर अस्पतालों और डॉक्टरों पर दबाव बनाया जा रहा है। ममता ने आरोप लगाते हुए कहा कि सत्ता में बैठे लोग सभी अस्पतालों और बड़े अधिकारियों को धमका रहे हैं कि अभिषेक बनर्जी को भर्ती न किया जाए, क्योंकि वे नहीं चाहते कि उनका इलाज हो। उन्होंने आगे कहा कि जब मैं अस्पताल के एडमिनिस्ट्रेटर के साथ बैठी थी, तो उन्होंने मुझे बताया कि उन्हें पुलिस से धमकी भरे फोन आ रहे थे। डॉक्टर दुखी हैं, लेकिन वे दबाव में हैं।

यह लोकतंत्र पर हमला है: राहुल गांधी: कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस हमले की कड़े शब्दों में निंदा की और इसे लोकतंत्र पर हमला बताया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में राहुल ने लिखा कि सोनारपुर में सांसद अभिषेक बनर्जी पर हुआ हमला बेहद निंदनीय है। किसी सांसद पर हमला सिर्फ एक व्यक्ति पर हमला नहीं है। यह उन लोगों पर हमला है जिन्होंने उन्हें चुना है, और उस लोकतंत्र पर हमला है जो हमारी साझा विरासत है। यह भाजपा की बदले की राजनीति का गंदा चेहरा है। राजनीतिक मतभेद कभी भी हिंसा को सही नहीं ठहरा सकते। राहुल ने आगे लिखा कि केंद्र सरकार और पश्चिम बंगाल सरकार को दोषियों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने अभिषेक बनर्जी के जल्द ठीक होने की कामना भी की।

भाजपा ने आरोपों को नकारा: इस घटना के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है और कई विपक्षी नेता अभिषेक बनर्जी के समर्थन में आ गए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सुरक्षा में कमी पर सवाल उठाए, जबकि समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने इसे एक 'बड़ी साजिश' बताते हुए भाजपा पर हिंसक राजनीति को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। दूसरी तरफ, टीएमसी ने साफ तौर पर आरोप लगाया है कि इस हमले के पीछे भाजपा समर्थित उपद्रवी थे।

हालांकि, भाजपा नेताओं ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने घटना की निंदा की लेकिन कहा कि इसमें पार्टी की कोई भूमिका नहीं है। उन्होंने कहा कि यह टीएमसी के खिलाफ स्थानीय लोगों का गुस्सा हो सकता है। वहीं केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने भी शांति की अपील करते हुए लोगों से कानून हाथ में न लेने का आग्रह किया।

मानसून में दर्द देंगी साइबर सिटी की उखड़ी सड़कें, विभागीय सुस्ती से दुर्घटनाओं और जाम का बढ़ा खतरा

गुरुग्राम, एजेंसी। मानसून आने में एक महीना बचा है, लेकिन जिम्मेदार विभागों की सुस्ती को देखकर लगता नहीं है कि इस बार भी वर्षा के मौसम से पहले शहर की सड़कें दुरुस्त हो पाएंगी। सेक्टरों, कॉलोनियों और मुख्य मार्गों पर जगह-जगह गड्ढों तथा उखड़ी सड़कों ने लोगों के सफर को दर्द भरा बना दिया है। हालात यह हैं कि कई इलाकों में सड़कें चलने लायक तक नहीं बची हैं। सेक्टर नौ, 14, 15, सेक्टर-15 पार्ट टू, 31, 38, 39, 40, सुशांत लोक, सेक्टर 44, 45, 46, 55, 56, न्यू कॉलोनी, कृष्णा कॉलोनी, सेक्टर चार-सात, बसई रोड, पटौदी रोड, ओल्ड द्वारका एक्सप्रेस-वे और सेक्टर-82 सहित शहर के कई हिस्सों में सड़कें जर्जर हो चुकी हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि

यदि जून माह तक मरम्मत और नवीनीकरण का कार्य पूरा नहीं हुआ तो मानसून के दौरान हालात और बिगड़ जाएंगे। वर्षा के दौरान गड्ढों में पानी भरने से दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ेगा और ट्रैफिक व्यवस्था भी प्रभावित होगी। अभी से कई सड़कों पर वाहन चालकों को जाम और वाहनों के खराब होने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

जिम्मेदार विभागों के बीच फंसा समाधान: गुरुग्राम शहर में करीब 935 किलोमीटर लंबा सड़क नेटवर्क है। इसमें लगभग 285 किलोमीटर लंबी मुख्य सड़कें जीएमडीए के अधीन आती हैं, जबकि 650 किलोमीटर लंबी आंतरिक सड़कें नगर निगम के जिम्मे हैं। इसके अलावा कई सड़कें पीडब्ल्यूडी और एचएसवीपी के अधीन भी हैं। अलग-अलग विभागों में जिम्मेदारी बंटी होने के कारण कई बार मरम्मत कार्य समय पर शुरू नहीं हो पाता। नगर निगम क्षेत्र में कुल 36 वार्ड आते हैं और अधिकांश वार्डों में सड़क मरम्मत की शिकायतें लगातार बढ़ रही हैं। कई स्थानों पर पैचवर्क अधूरा छोड़ दिया गया है, जबकि कुछ क्षेत्रों में अभी तक काम शुरू ही नहीं हुआ।

मॉडल सड़क परियोजना भी धीमी: नगर निगम की ओर से करीब सौ किलोमीटर लंबी माडल सड़कों का निर्माण भी प्रस्तावित है, लेकिन यह परियोजना भी धीमी गति से चल रही है। अधिकारियों के अनुसार अमेरिका-ईरान युद्ध के असर के कारण तारकोल की उपलब्धता प्रभावित हुई है और निर्माण सामग्री की कीमतों में भी वृद्धि हुई है।

गाजियाबाद के वैशाली फुटओवर ब्रिज पर अतिक्रमण और बिजली की बर्बादी

साहिबाबाद, एजेंसी। वैशाली सेक्टर-एक में यूपी गेट रेडलाइट के नजदीक फुटओवर ब्रिज पर अतिक्रमण और रात में व्यर्थ में बिजली फूंकने के शिकायत स्थानीय लोगों ने की है। आरोप है कि फुटओवर ब्रिज पर रात में लोगों ने सोने के लिए इंतजाम कर रखा है। इसके अलावा विज्ञापन एजेंसियां रात में बोर्ड की लाइटें जलाकर ऊर्जा की बर्बादी कर रही हैं। समाजसेवी डॉ. सुनील वेद ने बताया कि नगर निगम के पोर्टल पर नगर आयुक्त से इसकी शिकायत की गई है। इसके अलावा जिलाधिकारी और जीडीए अधिकारियों से भी फुटओवर ब्रिज पर अतिक्रमण संबंधी शिकायत दी है। लाखों रुपये की लागत से जनता की सुविधा के लिए बनाया गया यह फुट ओवर ब्रिज वर्तमान में केवल शोपीस बनकर रह गया है। लोगों ने इसको रैन बसेरा बना लिया है और यहां सोने का पक्का इंतजाम किया हुआ है। इसके अलावा रखरखाव के अभाव में यहां भारी गंदगी रहती है, जिसके कारण आम लोग इसका उपयोग करने से कतराते हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ऊर्जा और ईंधन बचाने का संदेश दे रहे हैं लेकिन विज्ञापन पर लगी भारी लाइटें ऊर्जा की बर्बादी हैं। इन्हें रात 10 बजे के बाद बंद कराना चाहिए। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि फुटओवर ब्रिज और आसपास से अतिक्रमण हटवाया जाएगा।

पाकिस्तान में गर्मी का कहर, सिंध में 50 के पार पहुंचा पारा लोगों को घरों में रहने की सलाह

मैडिसन, एजेंसी। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में भीषण गर्मी ने लोगों का जीवन मुश्किल कर दिया है। शनिवार को सिंध के दादू शहर में तापमान 51.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिसने मई 2016 का पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। लगातार बढ़ती गर्मी और तपती हवाओं के कारण लोगों का घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। मौसम विभाग और सिंध आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने लोगों, खासकर बच्चों और बुजुर्गों को धूप से बचने और घरों में रहने की सलाह दी है। पाकिस्तान मौसम विभाग के कराची कार्यालय के मुख्य मौसम विज्ञानी सरफराज खान ने बताया कि दादू में दर्ज 51.5 डिग्री तापमान नया रिकॉर्ड है। इसके अलावा जैकबाबाद में तापमान 51 डिग्री तक पहुंच गया। वहीं शहीद बेनजीराबाद यानी नवाबशाह, लारकाना और मोहनजोदड़ो में भी पारा 50 डिग्री

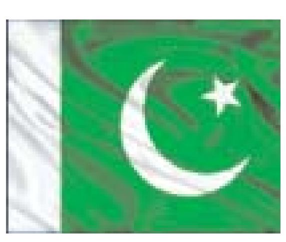

सेल्सियस के आसपास दर्ज किया गया। कराची में तापमान 37.5 डिग्री रहा, जबकि सकरंद, घोटकी और खैरपुर में यह 46 से 49 डिग्री के बीच रहा। भीषण गर्मी के कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सिंध में गर्मी इतनी खतरनाक क्यों हो गई: विशेषज्ञों के मुताबिक पाकिस्तान जलवायु परिवर्तन से सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में शामिल है। सिंध प्रांत में लंबे समय से गर्म और शुष्क मौसम बना हुआ है। तेज धूप और गर्म हवाओं ने हालात और खराब कर दिए हैं। दिन के समय सड़कें सूनी नजर आ रही हैं और लोग जरूरी काम के बिना घरों से बाहर नहीं निकल रहे। कई इलाकों में बिजली और पानी की समस्या ने भी लोगों की परेशानी बढ़ा दी है।

मौसम विभाग ने लोगों को क्या सलाह दी: मौसम विभाग और सिंध आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने लोगों को दोपहर के समय धूप में बाहर निकलने से बचने की सलाह दी है। खासतौर पर बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को सावधानी बरतने को कहा गया है। लोगों को ज्यादा से ज्यादा पानी पीने और शरीर को ठंडा रखने की सलाह दी गई है। प्रशासन ने अस्पतालों को भी अलर्ट पर रखा है ताकि हीट स्ट्रोक के मामलों से निपटा जा सके।

पहले भी टूट चुके हैं गर्मी के रिकॉर्ड: सरफराज खान ने बताया कि दादू में यह नया रिकॉर्ड जरूर है, लेकिन सिंध में पहले भी इससे ज्यादा तापमान दर्ज हो चुका है।

होर्मुज पर स्थायी टोल का कतर ने किया विरोध कहा- बढ़ेगी महंगाई अस्थायी शुल्क पर बातचीत को तैयार

दोहा/सिंगापुर, एजेंसी। कतर ने साफ कहा है कि होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर स्थायी शुल्क या टोल लगाना उचित नहीं होगा, क्योंकि इसका सीधा असर दुनिया भर के उपभोक्ताओं पर पड़ेगा और वस्तुओं की कीमतें बढ़ जाएंगी। हालांकि, कतर ने यह भी संकेत दिया है कि समुद्री सुरक्षा या बारूदी सुरंगों को हटाने जैसे विशेष और अस्थायी कार्यों के लिए सीमित अवधि के शुल्क पर बातचीत की जा सकती है। सिंगापुर में आयोजित सुरक्षा सम्मेलन शांगरी-ला डायलॉग के दौरान कतर के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मामलों के राज्य मंत्री शेख सऊद बिन अब्दुलरहमान अल थानी ने कहा कि खाड़ी देशों का मानना है कि किसी भी प्रकार का स्थायी शुल्क अंततः उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बोझ डालेगा। इसलिए कतर और उसके सहयोगी देश ऐसे किसी भी लंबे समय तक

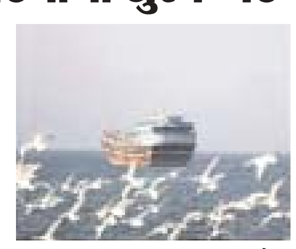

चलने वाले शुल्क ढांचे का विरोध करते हैं। यह बयान ऐसे समय आया है जब पश्चिम एशिया में तनाव लगातार बढ़ रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है, जहां से बड़ी मात्रा में तेल और गैस का व्यापार होता है। इसी बीच ईरान और ओमान समुद्री यातायात को नियंत्रित करने के संभावित ढांचे पर बातचीत कर रहे हैं। तनाव तब और बढ़ गया जब ओमान के समुद्री सुरक्षा केंद्र ने जलमार्ग में एक संदिग्ध तैरती हुई वस्तु मिलने की सूचना दी, जिसे नौसैनिक बारूदी सुरंग माना जा रहा है। अधिकारियों ने मछुआरों और जहाजों को सतर्क रहने तथा किसी भी संदिग्ध वस्तु की तुरंत सूचना देने की सलाह दी है। उधर, अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा एजेंसियों ने भी चेतावनी दी है कि होर्मुज क्षेत्र में खतरे का स्तर अभी भी बेहद ऊंचा बना हुआ है। अमेरिकी नौसैनिक गतिविधियों और क्षेत्र में बढ़ती सैन्य मौजूदगी के कारण व्यापारिक जहाजों को अतिरिक्त सावधानी बरतने को कहा गया है। ब्रिटेन की समुद्री व्यापार संचालन एजेंसी ने भी जहाजों को अधिक नौसैनिक गश्त, रेडियो संपर्क और बंदरगाहों के पास भीड़भाड़ के लिए तैयार रहने की सलाह दी है। इस बीच ईरान और अमेरिका के बीच तनाव भी कम होने के संकेत नहीं मिल रहे हैं। ईरानी नेताओं ने अमेरिका पर बातचीत को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया है, जबकि अमेरिका का कहना है कि जरूरत पड़ने पर वह दोबारा सैन्य कार्रवाई के लिए तैयार है।

अमेरिका का ऑफर: ईरान को मिल सकता है 29 लाख करोड़ का फंड

पर एटमी प्रोग्राम पर पेच अब भी फंसा!

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका-ईरान में प्रस्तावित 60 दिन के युद्धविराम समझौते के तहत ईरान को बड़े पुनर्निर्माण पैकेज की पेशकश की गई है। यदि दोनों देशों के बीच अंतिम समझौता होता है तो ईरान को 300 अरब डॉलर (करीब 29 लाख करोड़ रुपये) तक का पुनर्निर्माण कोष उपलब्ध कराया जा सकता है। अमेरिकी कंपनियों को ईरान में निवेश की अनुमति देने पर भी विचार चल रहा है। एक ईरानी अधिकारी ने इस प्रस्ताव को पुनर्निर्माण कार्यक्रम का हिस्सा बताया है। उसने कहा, अंतिम समझौते पर हस्ताक्षर के बाद ईरान को आर्थिक मदद का आश्वासन दिया जाएगा। माना जा रहा है कि लंबे संघर्ष के बाद ईरानी अर्थव्यवस्था को मजबूत का यह पैकेज है।?

ईरान ने ट्रंप के दावे को किया खारिज हालांकि ईरान ने ट्रंप के इस दावे को खारिज

कर दिया है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि फिलहाल परमाणु मुद्दे पर कोई बातचीत नहीं चल रही है। उन्होंने संकेत दिया कि दोनों देशों के बीच वार्ता के बारे में कई दावे वास्तविक स्थिति से मेल नहीं खाते। ट्रंप का दावा- दोनों देश समझौते के करीब पहुंचे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दावा है कि दोनों देश एटमी कार्यक्रम से जुड़े मुद्दों पर समझौते के करीब पहुंच गए हैं। प्रस्तावित समझौते के तहत ईरान परमाणु हथियार नहीं बनाएगा व उच्च संवर्धित यूरेनियम का निपटान करेगा।

मसौदे में होर्मुज स्ट्रेट को एक महीने के भीतर बहाल करने का है प्रस्ताव: मसौदे में पश्चिम एशिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग होर्मुज स्ट्रेट को फिर से पूरी तरह खोलने का प्रस्ताव है। इसके तहत ईरान एक माह में समुद्री यातायात युद्ध से पहले के स्तर पर लाएगा। ईरान जलमार्ग में बिछाई गई समुद्री माइंस हटाएगा और जहाजों से किसी तरह का टोल नहीं वसूलेगा। बदले में अमेरिका अपनी नौसैनिक नाकेबंदी हटाने व प्रतिबंधों में राहत देने पर विचार करेगा। अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते तथा पश्चिम एशिया में तनाव कम होने के संकेतों ने वैश्विक वित्तीय बाजारों को राहत दी है। अमेरिकी शेयर बाजार रिकॉर्ड ऊंचाई के करीब पहुंच गया है, लेकिन अर्थव्यवस्था के कई प्रमुख संकेतक बताते हैं कि आम अमेरिकी परिवार अब भी बढ़ती ऊर्जा लागत, घटती वास्तविक आय और कम होती बचत की चुनौती से जूझ रहे हैं।

सीएनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार ईरान युद्ध का असर युद्ध की आंच धीमी होने पर भीअमेरिकी समाज में आर्थिक असमानता को और स्पष्ट कर रहा है। युद्ध शुरू होने के बाद एसएंडपी 500 सूचकांक में 8% की गिरावट दर्ज की गई, लेकिन मार्च के अंत से इसमें 19% की तेजी आई।

इससे बाजार ने शुरुआती क्षति की भरपाई की और इस वर्ष अब तक 10.7% की बढ़त हासिल कर ली है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि शेयर बाजार में तेजी का लाभ मुख्य रूप से निवेशकों और संपत्ति धारकों को मिलता है, जबकि बड़ी आबादी पर महंगाई का दबाव बना रहता है। अमेरिकी ब्यूरो ऑफ इकोनॉमिक एनालिसिस के आंकड़ों के अनुसार मार्च में वास्तविक डिस्पोजेबल आय 0.2% और अप्रैल में 0.5% घटी।वास्तविक डिस्पोजेबल आय महंगाई का प्रभाव समायोजित करने के बाद लोगों के पास खर्च के लिए बचती है।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर निकली जागरूकता रैली

नशामुक्त समाज के निर्माण का लिया संकल्प नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी: सांसद

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा नशा मुक्त अभियान के तहत जागरूकता रैली का आयोजन किया गया कार्यक्रम में सांसद डॉ. राजेश मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह, कलेक्टर विकास मिश्रा सहित जनप्रतिनिधियों अधिकारियों विद्यार्थियों एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता कर नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया कार्यक्रम का शुभारंभ तंबाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों से दूर रहने की सामूहिक शपथ के साथ हुआ इसके बाद अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रैली को रवाना किया रैली पूजा पार्क से प्रारंभ होकर गांधी चौक पहुंची जहां महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया इसके पश्चात रैली पुन: पूजा पार्क स्थित गायत्री मंदिर परिसर में संपन्न हुई रैली में शामिल विद्यार्थियों सामाजिक संगठनों एवं स्थानीय नागरिकों ने तंबाकू विरोधी नारों के माध्यम से जन-जागरूकता का संदेश दिया शहर की प्रमुख सड़कों से होकर गुजरी इस रैली ने लोगों को तंबाकू और अन्य नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया इस अवसर पर सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि तंबाकू का सेवन केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही नहीं, बल्कि परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है उन्होंने सभी नागरिकों से नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह ने कहा कि नशा मुक्ति की दिशा में जन-जागरूकता सबसे प्रभावी माध्यम है उन्होंने युवाओं से तंबाकू एवं अन्य नशे की लत से दूर रहने तथा समाज में सकारात्मक संदेश प्रसारित करने की अपील की कलेक्टर विकास मिश्रा ने कहा कि नशामुक्त समाज का निर्माण सामूहिक सहभागिता से ही संभव है उन्होंने युवाओं एवं आमजन से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा नशे के दुष्परिणामों के प्रति सजग रहने का आग्रह किया अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं उप संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग धनंजय मिश्रा ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य तंबाकू एवं तंबाकू उत्पादों के सेवन से होने वाले कैंसर, टीबी, हृदय रोग श्वसन संबंधी बीमारियों सहित अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा लोगों को स्वस्थ एवं नशामुक्त जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है कार्यक्रम में पुलिस विभाग स्वास्थ्य विभाग महिला एवं बाल विकास विभाग, नगरीय निकाय जन अभियान परिषद ब्रह्मकुमारी संस्था, गायत्री परिवार तथा राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (एनयूएलएम) की महिला सदस्यों सहित विभिन्न विभागों एवं सामाजिक संस्थाओं की सक्रिय सहभागिता रही वहीं संजय गांधी महाविद्यालय, कन्या महाविद्यालय उत्कृष्ट विद्यालय तथा अन्य शैक्षणिक संस्थानों के एनसीसी एवं एनएसएस के छात्र-छात्राओं ने भी बड़ी संख्या में भागीदारी निभाई कार्यक्रम में समाजसेवी देव कुमार सिंह, पार्षद बाबूलाल कुशवाहा, डिप्टी कलेक्टर एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रिया पाठक, एसडीएम गोपद बनास राकेश शुक्ला, जिला पंजीयक अभिषेक सिंह बघेल तथा जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक मुकेश गौर सहित अनेक अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना से युवतियों को मिलेगा पुलिस सेवा में जाने का सुनहरा अवसर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले की युवतियों एवं बालिकाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में पुलिस भर्ती की तैयारी कर रही युवतियों के लिए महिला सशक्त वाहिनी कक्षाओं का संचालन किया जाएगा जिसमें लिखित परीक्षा एवं शारीरिक दक्षता का नि:शुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा दजिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग सीधी ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान पुलिस विभाग की आधारभूत संरचना का उपयोग करते हुए कमांडेंट होमगार्ड द्वारा शारीरिक प्रवीणता का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए विषय विशेषज्ञों द्वारा नियमित कक्षाएं संचालित की जाएंगी योजना के प्रथम बैच में 45 से 50 बालिकाओं एवं युवतियों का चयन किया जाएगा आवेदन के लिए अभ्यर्थी का 12वीं उत्तीर्ण होना अनिवार्य है तथा न्यूनतम लंबाई 155 सेंटीमीटर निर्धारित की गई है अनारक्षित वर्ग की युवतियों के लिए आयु सीमा 18 से 30 वर्ष एवं आरक्षित वर्ग के लिए 18 से 35 वर्ष निर्धारित की गई है इच्छुक युवतियां 1 जून 2026 से 8 जून 2026 तक कार्यालयीन कार्य दिवसों में जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग जिला सीधी कार्यालय से आवेदन प्रारूप प्राप्त कर आवेदन जमा कर सकती हैं यदि निर्धारित संख्या से अधिक आवेदन प्राप्त होते हैं तो 50 प्रश्नों की स्क्रीनिंग परीक्षा आयोजित की जाएगी चयन प्रक्रिया शासन के आरक्षण नियमों के अनुसार श्रेणीवार संपन्न होगी चयनित प्रतिभागियों को तीन माह तक प्रतिदिन दो घंटे ऑनलाइन परीक्षा की तैयारी हेतु प्रशिक्षण दिया जाएगा महिला एवं बाल विकास विभाग ने जिले की युवतियों से इस अवसर का लाभ उठाकर पुलिस सेवा में करियर बनाने एवं आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ने की अपील की है अधिक जानकारी एवं आवेदन पत्र के लिए जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला सीधी कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।

रीवा में लक्ष्मण बाग जलस्रोत में विशेष स्वच्छता और जल संरक्षण अभियान आयोजित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत निगम आयुक्त अक्षत जैन के निर्देशानुसार स्वच्छता और जल संरक्षण के महत्व को ध्यान में रखते हुए रविवार को वार्ड क्रमांक 44 स्थित लक्ष्मण बाग जलस्रोत में विशेष स्वच्छता श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्थानीय जलस्रोत और आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ और संरक्षित रखना था। इस अवसर पर लक्ष्मण बाग परिसर और जलस्रोत के आसपास के क्षेत्र की व्यापक सफाई की गई। साथ ही जलस्रोत में मानव श्रृंखला बनाकर जलकुंभी, कचरा और गाद की निकासी का कार्य भी संपन्न किया गया। इस श्रमदान के माध्यम से उपस्थित नागरिकों और कार्यकर्ताओं ने स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता का संदेश फैलाया इस अवसर पर वार्ड पार्षद स्थानीय नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता और मीडिया प्रतिनिधि भी मौजूद थे। सभी ने मिलकर अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाई और जल संरक्षण के महत्व पर जोर दिया। नगर निगम की आईईसी टीम के हेडविवेक परमार ने कार्यक्रम की देखरेख की और स्वच्छता कर्मचारियों के साथ-साथ आईईसी टीम के सदस्यों ने भी सहयोग प्रदान किया कार्यक्रम में भाग लेने वाले नागरिकों ने कहा कि इस तरह के अभियान न केवल स्थानीय जलस्रोत को संरक्षित रखते हैं बल्कि लोगों में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी भी बढ़ाते हैं।

स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार: अंत्योदय शिविरों से ग्रामीणों को मिल रहा सीधा लाभ अंत्योदय स्वास्थ्य शिविरों में 726 ग्रामीण लाभान्वित, चकडौर पहुंचकर कलेक्टर ने परखी व्यवस्थाएं

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा संचालित अंत्योदय स्वास्थ्य शिविरों में बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ ले रहे हैं। इसी क्रम में शनिवार को नौढ़िया, छुहिया, चकडौर एवं बहरी ग्राम पंचायतों में आयोजित विशेष स्वास्थ्य शिविरों में कुल 726 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस दौरान कलेक्टर विकास मिश्रा ने चकडौर में आयोजित शिविर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशानुसार आयोजित शिविरों का उद्देश्य ग्रामीणों को उनके गांव के समीप ही स्वास्थ्य परीक्षण, चिकित्सकीय परामर्श, उपचार संबंधी मार्गदर्शन तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराना है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने स्वास्थ्य परीक्षण, दवा वितरण, आयुष्मान कार्ड निर्माण एवं अन्य गतिविधियों का अवलोकन किया। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों से चर्चा कर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता की जानकारी ली तथा अधिकारियों को प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के निर्देश दिए विशेष स्वास्थ्य शिविरों में ग्राम पंचायत नौढ़िया में 110 छुहिया में 170, चकडौर में 305 तथा बहरी में 141 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया चिकित्सकों द्वारा मरीजों की जांच कर आवश्यक परामर्श एवं उपचार संबंधी मार्गदर्शन प्रदान किया गया साथ ही पात्र हितग्राहियों को आयुष्मान भारत योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर लाभान्वित किया गया शिविरों में स्वास्थ्य विभाग महिला एवं बाल विकास विभाग सामाजिक न्याय विभाग तथा आयुष विभाग की संयुक्त टीमों ने सेवाएं प्रदान कीं ग्रामीणों को स्वास्थ्य जांच के साथ-साथ पोषण स्वच्छता नशा मुक्ति एवं स्वास्थ्य सुरक्षा योजनाओं के प्रति भी जागरूक किया गयाकलेक्टर विकास मिश्रा ने कहा कि अंत्योदय स्वास्थ्य शिविरों का उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविरों में आने वाले प्रत्येक नागरिक का समुचित परीक्षण किया जाए तथा पात्र हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं से जोड़ा जाए जिला प्रशासन द्वारा संचालित इस अभियान के अंतर्गत अब तक जिले की 36 ग्राम पंचायतों में अंत्योदय स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा चुका है इन शिविरों के माध्यम से हजारों ग्रामीणों को स्वास्थ्य परीक्षण, चिकित्सकीय परामर्श आयुष्मान कार्ड निर्माण एवं विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिला है।

मां ने 3 बेटियों को कीटनाशक खिलाया फिर खुद भी खाया, पुलिस बोली- हर पहलू जांच रहे

मीडिया ऑडीटर,शहडोल (निप्र)। मामले की जानकारी मिलते ही रिश्तेदार और ग्रामीण अनिता के घर पहुंचे मामले की जानकारी मिलते ही रिश्तेदार और ग्रामीण अनिता के घर पहुंचे शहडोल में महिला ने अपनी तीन बेटियों को कीटनाशक खिला दिया फिर खुद भी निगल लिया इससे चारों की तबीयत बिगड़ गई। बड़ी बेटी ने घर से बाहर आकर पड़ोसियों को पुकारा सारी बात बताई पड़ोसी चारों को लेकर ब्यौहारी अस्पताल भागे जहां डॉक्टरों ने महिला और छोटी दो बेटियों को मृत घोषित कर दिया जबकि बड़ी बेटी ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया मामला हिरवार गांव में रविवार का है। मृतकों की पहचान अनिता सिंह (32) और उसकी बेटियों- रितिका (7), कृष्णकुमारी (4) और अर्पिता (2) के रूप में हुई है पड़ोसियों ने बताया कि अनिता का पति ड्राइवर है। रोजी-रोटी कमाने दूसरे शहर गया है। घटना के समय घर में मां-बेटियां ही थीं सूचना मिलते ही पपौंध थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पड़ोसियों के बयान दर्ज किए। महिला के पति को फोन कर जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि मौके से अल्मोनियम सल्फाइड का पैकेट मिला है। मामले की सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है अनीता और उसकी दो बेटियां घर में बेसुध मिली थीं अनीता और उसकी दो बेटियां घर में बेसुध मिली थीं परिजन-रिश्तेदार घर अनिता के घर पहुंचे हैं परिजन-रिश्तेदार घर अनिता के घर पहुंचे हैंए ग्रामीण अनिता के पति के लौटने का इंतजार कर रहे हैं ग्रामीण अनिता के पति के लौटने का इंतजार कर रहे हैं कीटनाशक देने के बाद घर में आग लगाई थीटीआई बृजेंद्र मिश्रा ने कहा- बड़ी बेटी रितिका ने पड़ोसियों को बताया कि अनीता ने बेटियों को खांसी की दवा कहकर कीटनाशक दिया था।

अधिवेशन में निर्णय: रीवा में बनेगा राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग शोध संस्थान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सरदार पटेल संस्थान में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग शोध संस्थान निर्माण के संबंध में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ महापुरुषों को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए सामाजिक राजनीतिक और वैचारिक विमर्श के साथ हुआ। सम्मेलन में देश और प्रदेश से आए सामाजिक चिंतकों जनप्रतिनिधियों बुद्धिजीवियों और हजारों की संख्या में उपस्थित पिछड़ा वर्ग समाज के लोगों ने सामाजिक एकता जातिवाद शिक्षा राजनीतिक भागीदारी और शोध संस्थान निर्माण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गंभीर मंथन किया सम्मेलन में सभी ने पिछड़ा वर्ग राष्ट्रीय शोध संस्थान का निर्माण रीवा में किए जाने सहमति जताई। सम्मेलन में सभी ने संविधान की शपथ ली प्रस्तावना का वाचन सान्या सिंह ने किया साथ ही आपस में भाईचारा एकता बनाने का संकल्प लिया। अधिवेशन में प्रथम सत्र के उद्घाटन अविनाश काकड़े मुख्य अतिथि मदन सिंह कुशवाहा एवं अध्यक्षता जगदीश सिंह यादव ने की तथा प्रमुख वक्ता डॉ ईश्वरदान आशिया आजाद सिंह डबास, डॉ आरपी साहू, महेश मानव,कृष्ण पाल सिंह यादव, शशि भूषण यादव रहे स्वागत भाषण राजेश कुशवाहा, प्रस्तावना डॉ. रजनीश पटेल,संचालन बीपी सिंह ने किया द्वितीय सत्र के उद्घाटन पत्रकार शंभू कुमार सिंह मुख्य अतिथि डॉ रामजी पाल, कमल उसरी, एवं अध्यक्षता सिद्धार्थ कुशवाहा ने की तथा प्रमुख वक्ता संदीप पटेल मेजा, डॉ. आई एम पी वर्मा, इंजी संदीप विश्वकर्मा, श्रवण विश्वकर्मा, विमल सिंह, प्रभात वर्मा, मोनू यादव रहे। प्रस्तावना शिव सिंह एड. द्वारा किया गया एवं संचालन जगदीश सिंह यादव ने किया। तृतीय सत्र के उद्घाटन पूर्व मंत्री व राज्यसभा सांसद राजमणि पटेल, मुख्य अतिथि पत्रकार शंभू कुमार सिंह एवं अध्यक्षता प्रोफेसर दिनेश कुशवाहा ने की तथा प्रमुख वक्ता पूर्व विधायक विद्यावती पटेल, पूर्व त्योंथर कांग्रेस प्रत्यासी रमाशंकर सिंह, यस भारतीय पूरन सिंह लोधी, डॉ रामायण पटेल, सुधीर साहू, राम प्रताप सिंह यादव, पुष्पेंद्र सिंह, कल्पना पटेल, आर एस मांझी रहे स्वागत भाषण संतकुमार पटेल तथा प्रस्तावना संजय सिंह और मंच का संचालन डॉ उमेश पटेल, बीपी सिंह ने किया। समापन सत्र की अध्यक्षता पूर्व जनपद अध्यक्ष कमलेश्वर पटेल प्रमुख वक्ता राम लखन पटेल, इंजीनियर संजय प्रसाद सिंह बिहार राजीव विश्वकर्मा, मुस्ताक मंसूरी रहे। आभार प्रदर्शन पुष्पेंद्र सिंह एड ने किया।

शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाया बुलडोजर चलाकर जमीन कब्जा मुक्त कराई, शिकायत की जांच के बाद हुई कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले की चुरहट तहसील के ग्राम सलैया में प्रशासन ने शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण को हटाकर जमीन को कब्जा मुक्त कराया रविवार दोपहर राजस्व विभाग की टीम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची और कार्रवाई को अंजाम दिया।

शिकायत के बाद हुई जांच: जानकारी के अनुसार, ग्राम सलैया निवासी जितेंद्र तिवारी ने शासकीय भूमि पर अतिक्रमण की शिकायत प्रशासन से की थी। जांच के दौरान राजस्व विभाग ने पाया कि मध्यप्रदेश शासन के नाम दर्ज आराजी क्रमांक 68 के एक हिस्से पर अवैध कब्जा किया गया था।

बाड़ी और बाउंड्री बनाकर किया गया था कब्जा: जांच में सामने आया कि शासकीय भूमि के एक हिस्से में बाड़ी लगाई गई थी, जबकि दूसरे भाग में बाउंड्री निर्माण कर उसका निजी उपयोग किया जा रहा था।

न्यायालय के आदेश के बाद कार्रवाई: मामला न्यायालय तक पहुंचा, जहां राजस्व अभिलेखों और अन्य दस्तावेजों के आधार पर अतिक्रमण की पुष्टि हुई। इसके बाद संबंधित पक्षों को भूमि से बेदखल करने के आदेश जारी किए गए। आदेश के खिलाफ आपत्ति भी दर्ज कराई गई, लेकिन सुनवाई के बाद प्रशासनिक आदेश को बरकरार रखा गया।

सीमांकन कर शासन के अधिपत्य में ली जमीन: आदेश के पालन में तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, पटवारी और अन्य अधिकारियों की टीम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची। अधिकारियों की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाया गया और भूमि का सीमांकन कर उसे पुन: शासन के अधिपत्य में ले लिया गया चुरहट एसडीएम विकास कुमार आनंद ने बताया कि शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी और शासकीय संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी।

समर कैंप में योग, एक्सपोजर विजिट और सांस्कृतिक गतिविधियों से निखरे विद्यार्थियों के कौशल

व्यवहारिक ज्ञान, रचनात्मक अभिव्यक्ति और आत्मविश्वास के विकास का बना प्रभावी मंच

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जनपद शिक्षा केंद्र मझौली के तत्वावधान में शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मझौली में आयोजित ग्रीष्मकालीन समर कैंप के चतुर्थ एवं पंचम दिवस पर विद्यार्थियों के लिए विविध शैक्षणिक, स्वास्थ्यवर्धक, व्यवहारिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने नई जानकारियां प्राप्त करने के साथ-साथ अपने व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व क्षमता एवं रचनात्मक कौशल को भी निखारा 30 मई 2026 को आयोजित समर कैंप के चतुर्थ दिवस की शुरुआत योग एवं व्यायाम गतिविधियों के साथ हुई इसके पश्चात विद्यार्थियों को एक्सपोजर विजिट के अंतर्गत वाटर फिल्टर प्लांट चमराडोल हाट बाजार चमराडोल एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मझौली का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने जल शुद्धिकरण की प्रक्रिया, स्वच्छ पेयजल के महत्व, जल संरक्षण के उपायों तथा स्वास्थ्य सेवाओं स्वच्छता एवं प्राथमिक चिकित्सा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। विद्यार्थियों ने विभिन्न स्थलों पर विशेषज्ञों से संवाद कर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया तथा व्यवहारिक ज्ञान अर्जित किया इस गतिविधि में सात विद्यालयों के कुल 47 विद्यार्थी, जिनमें 19 बालक एवं 28 बालिकाएं शामिल थीं सहभागी रहे विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह एवं रुचि के साथ भ्रमण में भाग लिया 31 मई 2026 को आयोजित समर कैंप के पंचम दिवस की शुरुआत भी योग एवं व्यायाम गतिविधियों से हुई इसके उपरांत सांस्कृतिक कार्यक्रम गीत प्रस्तुति एवं अंताक्षरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी प्रतिभा रचनात्मकता एवं सांस्कृतिक अभिरुचि का प्रभावशाली प्रदर्शन किया गीतों की मधुर प्रस्तुतियों और ज्ञानवर्धक अंताक्षरी प्रतियोगिता ने कार्यक्रम को रोचक एवं मनोरंजक बना दिया इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों में टीम भावना संवाद कौशल मंच संचालन क्षमता अभिव्यक्ति कौशल तथा आत्मविश्वास का विकास हुआ पंचम दिवस की गतिविधियों में 35 विद्यार्थी जिनमें 16 बालक एवं 19 बालिकाएं शामिल थीं सहभागी रहे इस अवसर पर बीआरसी अयोध्या प्रसाद पटेल शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मझौली की प्राचार्य इंदिरा कचेर, विजयपाल कोरी, राकेश कुमार गुप्ता, जग्गू प्रसाद यादव, मनोज कुमार वर्मा, संतोष कुमार सिंह एवं रिंकू सिंह उपस्थित रहे।

आठ महीने से तालाब में रह रहे मगरमच्छ का रेस्क्यू ग्रामीणों की शिकायत पर पहुंची वन विभाग की टीम

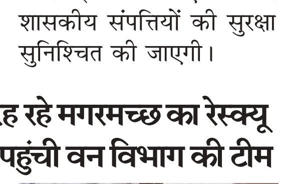

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के रामपुर नैकिन थाना क्षेत्र के ग्राम शिकारगंज में पिछले आठ महीने से तालाब में रह रहे मगरमच्छ का रविवार को रेस्क्यू किया गया। वन विभाग की टीम ने कई घंटे की कार्रवाई के बाद मगरमच्छ को सुरक्षित पकड़ा और उसे सोन नदी के भंवरसेन घाट में छोड़ दिया। मगरमच्छ के हटने के बाद गांव के लोगों ने राहत की सांस ली ग्राम शिकारगंज का तालाब आदिवासी बस्ती के लोगों के लिए पानी का प्रमुख स्रोत है। ग्रामीण इसी तालाब का उपयोग नहाने, कपड़े धोने और अन्य घरेलू कार्यों के लिए करते हैं। मगरमच्छ की मौजूदगी के कारण लंबे समय से लोगों में भय बना हुआ था।

बच्चों की सुरक्षा को लेकर बनी रहती थी चिंता: ग्रामीणों के मुताबिक कई बार छोटे बच्चे अनजाने में तालाब के पानी में उतर जाते थे और मगरमच्छ उनके पास तक पहुंच जाता था। हालांकि इस दौरान कोई हादसा नहीं हुआ, लेकिन स्थिति को देखते हुए लोगों ने तालाब के आसपास जाना कम कर दिया था।

इंसाफ में देरी न हो... हाईकोर्ट्स को सुप्रीम कोर्ट की नसीहत, आदेश सुरक्षित रखने के बाद 3 महीने में फैसला

संपादकीय

सुप्रीम कोर्ट ने न्याय में देरी रोकने के लिए सभी हाईकोर्ट को निर्देश दिया है कि सुरक्षित रखे गए फैसले तीन महीने के भीतर सुनाए जाएं। जमानत याचिकाओं पर उसी दिन या अधिकतम अगले दिन फैसला देने को कहा गया है। साथ ही, सभी निर्णय 24 घंटे के भीतर वेबसाइट पर अपलोड करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि न्याय प्रक्रिया तेज और पारदर्शी बन सके।

अदालती फैसलों में होने वाली देरी को रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट के ताजा निर्देश अहम हैं। इससे हाईकोर्ट में लंबित मुकदमों का बोझ कम होगा और न्याय तेजी से मिलेगा।

प्रक्रिया तेज होगी: चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अगुआई वाली बेंच ने सभी हाईकोर्ट को निर्देश दिया है कि आदेश सुरक्षित रखने के बाद तीन महीने के भीतर फैसला सुना दिया जाए। इसी तरह, जमानत अर्जियों पर उसी दिन आदेश सुनाया जाना चाहिए और अगर फैसला सुरक्षित रखा भी जाता है, तो वह अगले दिन सुना दिया जाए। सभी जजमेंट 24 घंटे के भीतर हाईकोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड करने का भी निर्देश दिया।

विशेष अवसर: सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए ये निर्देश दिए हैं। यह आर्टिकल पूर्ण न्याय के लिए सुप्रीम कोर्ट को व्यापक विवेकाधीन शक्ति देता है। यूं तो इसका इस्तेमाल विरले मौकों पर किया जाता है। लेकिन इस मामले में अनुच्छेद का उपयोग बताता है कि फैसलों में देरी किस तरह न्याय व्यवस्था को नुकसान पहुंचा रही है।

समय पर हों फैसले: भारतीय अदालतों पर सबसे बड़ा आरोप यही रहा है कि यहां मुकदमे बरसों-बरस चलते रहते हैं और कई बार फैसला इतनी देरी से आता है कि उसका प्रभाव महसूस नहीं होता। ऐसे में ताजा निर्देश व्यवस्था को समयबद्ध बनाने की कोशिश है।

पुरानी चिंता: पिछले साल मई में भी सुप्रीम कोर्ट ने हैरानी जताई थी कि झारखंड हाईकोर्ट ने 67 आपराधिक अपीलों में फैसला सुरक्षित रखा है। उस समय जो दो जजों की बेंच मामले को देख रही थी, उसमें जस्टिस सूर्यकांत भी थे। अदालत ने इस घटनाक्रम को चिंताजनक बताते हुए सभी हाईकोर्ट से लंबित फैसलों की जानकारी मांगी थी और कहा था कि वह कुछ अनिवार्य दिशा-निर्देश तैयार करेगी।

आजादी सबसे अहम: इसमें जमानत का मामला बेहद संवेदनशील है। सुप्रीम कोर्ट कई मौकों पर स्पष्ट कर चुका है कि संविधान के अनुच्छेद-21 के तहत मिला गरिमापूर्ण जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार सबसे महत्वपूर्ण है। ऐसे में यह स्वीकार नहीं किया जा सकता कि अदालत से तो जमानत मिल जाए या सजा लंबित हो जाए, लेकिन बाकी औपचारिकताओं की वजह से देरी हो। सुप्रीम कोर्ट के ताजा निर्देशों से जल्द इंसाफ मिलने की उम्मीद बंधी है। अगर ऐसा हुआ तो इससे न्यायपालिका पर भरोसा बढ़ेगा।

सिस्टम को हल्के में मत लीजिये

पं.नरेश शर्मा

तंत्र (सिस्टम) का राजनीतिक गठजोड़ या कतिपय कारण से तंत्र का प्रभावित होना न्याय व्यवस्था की विफलता का कारण बन गया है । सौभाग्यवश हम एक संवैधानिक लोकतंत्र में श्वांस ले रहे हैं । लोकतंत्र में सिस्टम (तंत्र) सर्वाधिक महत्वपूर्ण होता है । तंत्र से तात्पर्य है शासन के ऐसे विभिन्न विभाग जो प्रत्यक्षतः जनकल्याण से संबंधित हैं । सामान्य नागरिक के जीवन पर पुलिस,राजस्व,न्याय,स्वास्थ्य, शिक्षा आदि विभाग एवम् स्थानीय प्रशासन सीधा प्रभाव कारित करते हैं और इसका परिणाम स्पष्टतःसमाज में परिलक्षित भी होता है।

भारत में कानून का शासन (रूल आफ लॉ) या न्याय का शासन (रूल आफ जस्टिस) है । वर्तमान के ज्वलंत प्रकरण प्रमाण हैं कि इन विभागों के द्वारा कहीं ना कहीं अपनी भूमिका निभाने में कोताही बरती जा रही है जिससे मानव जीवन संकटापन्न हो रहा है ।

इन विभागों में से प्रत्येक का रिस्पांस पीरियड (अनुक्रिया/प्रतिक्रिया काल) जीरो होना चाहिए तथा उनकी किसी भी त्रुटि के प्रति शासन के द्वारा जीरो टॉलरेंस (अक्षम्य नीति)अवश्यंभावी है।

मैं मुक्त कंठ से अपने अनुभव के आधार पर यह कहना चाहूंगा कि सिस्टम को हल्के में मत लीजिए यह एक नारा नहीं अपितु प्रशासनिक संस्कार है। हम गुड गवर्नेंस की बात करते हैं वस्तुतः इन विभागों की जवाब देही सुशासन की रीड है । सिस्टम में सुधार आदेश से नहीं अपितु इरादे से होता है । सिस्टम बहाने नहीं रिजल्ट चाहता है। तंत्र को अब रिएक्टिव (प्रतिक्रियात्मक)नहीं अपितु प्रोएक्टिव (पूर्व क्रियात्मक) होना पड़ेगा। लापरवाही अब गलती नहीं अपराध मानी जानी चाहिए । संदेश स्पष्ट हो कि काम करो या हटो, जिम्मेदारी निभाओ या पद छोड़ो । प्रत्येक अधिकारी-कर्मचारी के लिए कुर्सी नहीं जिम्मेदारी बड़ी होना चाहिये। हम प्रायःकानून व्यवस्था पर भी चर्चा करते हैं । एक सभ्य समाज में व्यवस्था आवश्यक हैं और इसलिए यह कानून में परिलक्षित होती है । इसका मुख्य उद्देश्य नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना एवम् अराजकता को रोकना है ।भारत में कानून व्यवस्था बनाए रखना राज्य का विषय है संविधान की अनु.246 एवम् सातवीं अनुसूची की सूची 2 (2) के अनुसार इस हेतु राज्य पुलिस को अधिकार प्राप्त है। कानून का राज तभी होगा जब हमारा तंत्र कानून से ऊपर नहीं होगा । नीति तभी काम करती है जब नियत साफ हो व तंत्र संचालकों की मंशा,चाल-चलन एवं चरित्र पारदर्शी हो ।

सिस्टम जनता के लिए है,न कि जनता सिस्टम के लिए। कोई भी नागरिक कानून से बड़ा नहीं है,न ही कानून के नीचे द्य राजनीतिक लाभ हेतु रेवड़ी बांटना या देश के 80 करोड लोगों को मुफ्त राशन और पैसे देने से दैनिक कार्यों में प्रत्यक्ष कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसी संदर्भ में देश की सबसे बड़ी अदालत ने शहरी क्षेत्र में बेघर व्यक्तियों के आश्रय के अधिकार से संबंधित एक जनहित याचिका में यह टिप्पणी की है कि लोगों को मुख्य धारा में सम्मिलित करने की अपेक्षा हम उन्हें परजीवियों का एक वर्ग तो नहीं बना रहे हैं !

निरंतर होते नीट पेपर लीक काण्ड एवम् अन्य प्रतियोगिता एवम् विद्यालयीन, महाविद्यालयीन परीक्षाओं में होती षड्यंत्रकारी धांधलियों ने विद्यार्थियों एवम् नवयुवकों के भविष्य को गर्त में डाल दिया है तथा शिक्षा विभाग को भी प्रश्नांकित कर दिया है। इंदौर का हनिट्रैप काण्ड हो अथवा भोपाल का ट्विशा शर्मा प्रकरण। पुलिस तंत्र ने प्राथमिक साक्ष्य संग्रह, साक्ष्य की श्रृंखला निर्धारित करने,इलेक्ट्रॉनिक एवम् डिजिटल साक्ष्य सुरक्षित रखने,प्रिजर्वेशन ऑफ़ क्राइम सीन के प्रति घोर लापरवाही की जाना आरोपित है। कमिश्नर ऑफ़ पुलिस,इंदौर द्वारा अपने अधिकार का उपयोग न करना या न कर पाना,उन्हें अपने अधिकार का ज्ञान ही ना होना या ज्ञान का न होना प्रदर्शित करना संस्थागत कार्य में किसी सशक्त बाहरी प्रभाव के होने का संदेह प्रकट करता है। तंत्र का इस प्रकार प्रभावित होना कई बार तंत्र की संलिप्तता भी इंगित करता है व अविश्वसनीयता का कारण बन रहा है व इस घाल-मेल से पीड़ित पक्ष न्याय से वंचित हो रहा है ।

अब चूंकि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा भी उक्त प्रकरणों में की गई कार्यप्रणाली पर टिप्पणियां की जा रही है अतः इन विभागों को शासन का पूर्ण विधिक संरक्षण प्राप्त होना एवं यह सुनिश्चित होना कि उनके विधि सम्मत कार्यों में अवांछनीय हस्तक्षेप न हो, अपरिहार्य हो गया ही।

मिशन डेमोग्राफी-इललीगल माइग्रेंट्स (डिटरमिनेशन बाय ट्रिब्यूनल्स) एक्ट1983 का दुष्प्रभाव

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

- अवैध घुसपैठियों पर सरकार का चलेगा डंड-भारत की बदलती जनसांख्यिकीय चुनौती का व्यापक समग्र विश्लेषण

भारत में जनसांख्यिकीय परिवर्तन का प्रश्न केवल आँकड़ों का विषय नहीं बल्कि संविधान, नागरिकता, मानवाधिकार, लोकतंत्र और राष्ट्रीय सुरक्षा के जटिल संतुलन से जुड़ा हुआ है

मिशन डेमोग्राफी केवल अवैध घुसपैठ के विरुद्ध अभियान नहीं बल्कि भारत के भविष्य की सामाजिक, राजनीतिक और सुरक्षा संरचना से जुड़ा प्रश्न बन चुका है

वैश्विक स्तरपर भारत में अवैध घुसपैठ, सीमाई सुरक्षा और जनसंख्या संरचना में हो रहे बदलावों को लेकर बहस कोई नई नहीं है,लेकिन वर्ष 2026 में यह मुद्दा एक बार फिर राष्ट्रीय राजनीति और सुरक्षा विमर्श के केंद्र में आ गया है। केंद्र सरकार ने मिशन डेमोग्राफी के तहत जनसांख्यिकीय परिवर्तन पर एक उच्चस्तरीय समिति के गठन की घोषणा करके यह संकेत दिया है कि अब अवैध प्रवासन को केवल कानून-व्यवस्था या मानवीय समस्या के रूप में नहीं,बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, लोकतांत्रिक संतुलन, सीमा प्रबंधन, संसाधनों पर दबाव और सामाजिक स्थिरता से जुड़ी व्यापक चुनौती के रूप में देखा जा रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री ने जिस अननेचुरल डेमोग्राफिक चेंज की बात कही, उसका सीधा संबंध उन क्षेत्रों से जोड़ा जा रहा है जहाँ सरकार के अनुसार अवैध घुसपैठ,सीमा पार गतिविधियों और संगठित बसावट के कारण जनसंख्या संरचना में असामान्य बदलाव दिखाई दे रहे हैं। इसी पृष्ठभूमि में सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस प्रकाश प्रभाकर नावलेकर की अध्यक्षता में एक हाई-लेवल कमेटी बनाई है,जिसका उद्देश्य अवैध आप्रवास,सीमाई घुसपैठ,मतदाता पहचान, फर्जी दस्तावेज, सीमा प्रबंधन और जनसंख्या असंतुलन जैसे मुद्दों का व्यापक अध्ययन करना है। इस पूरी बहस के केंद्र में एक पुराना और विवादित कानून भी फिर चर्चा में आ गया है, आईएमडीटी एक्ट,1983, जिसे आलोचक असम में जनसांख्यिकीय परिवर्तन का बड़ा कारण मानते हैं, जबकि समर्थक इसे अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए आवश्यक बताते रहे।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि आज मिशन डेमोग्राफी को लेकर जो राजनीतिक और वैचारिक संघर्ष दिखाई दे रहा है,उसकी जड़ें असम आंदोलन,अवैध बांग्लादेशी घुसपैठ और भारतीय लोकतंत्र में वोट बैंक राजनीति के आरोपों तक जाती हैं। यही कारण है कि सरकार अब डिटेक्ट, डिलीट और डिपोर्ट की नीति को राष्ट्रीय स्तर पर लागू करने की दिशा में सक्रिय दिखाई दे रही है।

साथियों बात अगर हम भारत में अवैध प्रवासन क़े प्रश्न को समझने की करें तो, यह विशेष रूप से पूर्वोत्तर राज्यों,खासकर असम से जुड़ा रहा है। असम लंबे समय तक बांग्लादेश से होने वाली कथित अवैध घुसपैठ का केंद्र माना जाता रहा।1970 और 1980 के दशक में यह मुद्दा इतना बड़ा बन गया कि वहाँ व्यापक जन आंदोलन शुरू हुआ,जिसे असम आंदोलन कहा गयाआंदोलनकारी संगठनों का आरोप था कि बड़ी संख्या में अवैध प्रवासी राज्य की जनसंख्या संरचना बदल रहे हैं,स्थानीय संस्कृति और भाषाई पहचान पर दबाव बढ़ रहा है तथा मतदाता सूचियों में बाहरी लोगों के नाम शामिल होने से लोकतांत्रिक संतुलन प्रभावित हो रहा है। इसी पृष्ठभूमि में 1983 में इललीगल माइग्रेंट्स (डिटरमिनेशन बाय ट्रिब्यूनल्स) एक्ट यानी आईएमडीटी एक्ट लागू किया गया। यह कानून केवल असम में लागू था और इसका उद्देश्य अवैध प्रवासियों की पहचान करना बताया गया था।

साथियों, आईएमडीटी एक्ट की सबसे बड़ी विशेषता और विवाद यही था कि इसमें किसी व्यक्ति को विदेशी साबित करने की जिम्मेदारी राज्य और शिकायतकर्ता पर डाली गई थी। भारत के बाकी हिस्सों में लागू फॉरेनर्स एक्ट,1946 के तहत यदि किसी व्यक्ति पर विदेशी होने का संदेह होता था तो उस व्यक्ति को स्वयं साबित करना पड़ता था कि वह भारतीय नागरिक है।लेकिन आईएमडीटी एक्ट में उल्टा प्रावधान था। आलोचकों ने कहा कि इससे अवैध घुसपैठियों की पहचान करना लगभग असंभव हो गया। शिकायत दर्ज कराने वाले व्यक्ति को विस्तृत प्रमाण देने पड़ते थे,जबकि प्रशासनिक प्रक्रिया इतनी जटिल थी कि हजारों मामलों में कार्रवाई आगे नहीं बढ़ पाती थी। यही कारण था कि कई राष्ट्रवादी और क्षेत्रीय संगठनों ने इसे घुसपैठियों को संरक्षण देने वाला कानून कहना शुरू कर दिया।असम में जनसंख्या परिवर्तन को लेकर जो चिंता व्यक्त की जाती रही, उसका संबंध केवल आबादी की संख्या से नहीं बल्कि राजनीतिक प्रतिनिधित्व और सांस्कृतिक पहचान से भी था। कई जिलों में धार्मिक और भाषाई संरचना बदलने के दावे किए गए। स्थानीय संगठनों का आरोप था कि अवैध प्रवासियों के नाम मतदाता सूची में शामिल किए जा रहे हैं, जिससे चुनावी समीकरण प्रभावित हो रहे हैं। यही कारण था कि डेमोग्राफी और डेमोक्रेसी को एक-दूसरे से जोड़ा जाने लगा। आलोचकों का तर्क था कि यदि बड़ी संख्या में बाहरी लोग मतदाता बन जाते हैं तो स्थानीय समुदायों का राजनीतिक प्रभाव कमजोर हो सकता है। दूसरी ओर आईएमडीटी एक्ट के समर्थकों का कहना था कि असम में रहने वाले अनेक बंगाली भाषी मुसलमानों और गरीब नागरिकों को मनमाने ढंग से विदेशी घोषित किए जाने का खतरा था, इसलिए यह कानून मानवाधिकारों की रक्षा के लिए जरूरी था।यह विवाद अंततः भारतीय सुप्रीम कोर्ट तक पहुँचा। वर्ष 2005 में सुप्रीम कोर्ट ने आईएमडीटी एक्ट को रद्द कर दिया। अदालत ने कहा कि यह कानून अवैध घुसपैठ रोकने में प्रभावी साबित नहीं हुआ और इसने विदेशी पहचान की प्रक्रिया को अत्यधिक कठिन बना दिया। अदालत ने यह भी टिप्पणी की कि असम की जनसांख्यिकीय स्थिति और राष्ट्रीय सुरक्षा पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। इसके बाद असम में भी विदेशी नागरिकों की पहचान के लिए फॉरेनर्स एक्ट के नियम लागू किए गए। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को कई लोगों ने राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से ऐतिहासिक माना, जबकि कुछ मानवाधिकार संगठनों ने चिंता व्यक्त की कि इससे निर्दोष नागरिकों को परेशान किए जाने की संभावना सटीकता से बढ़ सकती है।

साथियों, अब वर्ष 2026 में केंद्र सरकार जिस मिशन डेमोग्राफी की बात कर रही है, उसकी वैचारिक पृष्ठभूमि कहीं न कहीं इसी ऐतिहासिक बहस से जुड़ी हुई दिखाई देती है। गृह मंत्रालय द्वारा गठित नई उच्चस्तरीय समिति का उद्देश्य केवल अवैध घुसपैठ की पहचान करना नहीं बल्कि देश के विभिन्न क्षेत्रों में हो रहे जनसांख्यिकीय परिवर्तनों का वैज्ञानिक और साक्ष्य- आधारित अध्ययन करना बताया गया है। समिति की अध्यक्षता जस्टिस प्रकाश प्रभाकर नावलेकर को सौंपी गई है, जो सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश और मध्य प्रदेश के पूर्व लोकायुक्त रह चुके हैं। समिति में पूर्व नौकरशाह, पुलिस अधिकारी, आर्थिक विशेषज्ञ और जनगणना आयुक्त जैसे सदस्य शामिल किए गए हैं ताकि इस संवेदनशील विषय का बहुआयामी अध्ययन किया जा सके।समिति को जिन प्रमुख कार्यों की जिम्मेदारी दी गई है, वे इस मुद्दे की गंभीरता को दर्शाते हैं। इसे अवैध आप्रवास सहित जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के कारणों का अध्ययन करना है। सीमा पार गतिविधियाँ, आर्थिक अवसर, नियोजित प्रवासन, असामान्य बसावट पैटर्न और सामाजिक-पर्यावरणीय कारकों की भूमिका का विश्लेषण करना है। समिति धार्मिक और सामाजिक समुदायों के स्तर पर संरचनात्मक जनसंख्या परिवर्तनों का अध्ययन करेगी, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहाँ आँकड़े राष्ट्रीय प्रवृत्तियों से अलग दिखाई देते हैं। साथ ही इसे अवैध आप्रवासियों की कानूनी, निष्पक्ष और समयबद्ध पहचान, हिरासत और निर्वासन के लिए स्थायी संस्थागत ढाँचे की सिफारिश करने का कार्य भी सौंपा गया है।

साथियों सरकार की 3डी नीति,डिटेक्ट, डिलीट और डिपोर्ट–इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है। डिटेक्ट का अर्थ है अवैध प्रवासियों की पहचान करना, डिलीट का अर्थ मतदाता सूची या सरकारी रिकॉर्ड से फर्जी नाम हटाना और डिपोर्ट का मतलब अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों को वापस भेजना। सरकार का दावा है कि यह अभियान केवल राजनीतिक मुद्दा नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का प्रश्न है। सीमावर्ती क्षेत्रों में घुसपैठ, नकली दस्तावेज, आतंक वित्तपोषण, मानव तस्करी और संगठित अपराध जैसी गतिविधियों को इससे जोड़ा जा रहा है। यही कारण है कि गृह मंत्री अमित शाह ने सभी सीमाओं पर 360 डिग्री प्लान लागू करने की बात कही है, जिसमें सीमा सुरक्षा बल, खुफिया एजेंसियाँ, केंद्रीय विभाग और राज्य सरकारें मिलकर काम करेंगी।हालाँकि इस पूरे मुद्दे का राजनीतिक आयाम भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। वेस्ट बंगाल में चुनावों के दौरान बीजेपी ने अवैध घुसपैठ को बड़ा चुनावी मुद्दा बनाया था। पार्टी का आरोप रहा है कि सीमावर्ती इलाकों में अवैध प्रवास के कारण जनसंख्या संतुलन और चुनावी राजनीति प्रभावित हो रही है। दूसरी ओर विपक्षी दलों का कहना है कि सरकार इस मुद्दे का राजनीतिक ध्रुवीकरण के लिए उपयोग करती है। आलोचकों का तर्क है कि जनसंख्या परिवर्तन केवल अवैध घुसपैठ का परिणाम नहीं होता; इसके पीछे रोजगार, शहरीकरण, आंतरिक पलायन, आर्थिक अवसर और सामाजिक गतिशीलता जैसे अनेक कारण भी होते हैं। इसलिए किसी भी निष्कर्ष पर पहुँचने से पहले विस्तृत तथ्यात्मक अध्ययन आवश्यक है।इसी कारण नई समिति का गठन महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि सरकार इसे साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण का आधार बता रही है। समिति को एक वर्ष के भीतर रिपोर्ट सौंपनी है और आवश्यकता पड़ने पर छह महीने का विस्तार भी दिया जा सकता है। माना जा रहा है कि रिपोर्ट के आधार पर सीमा प्रबंधन, नागरिक पहचान प्रणाली, जनसंख्या निगरानी और अवैध प्रवासियों की पहचान को लेकर बड़े प्रशासनिक और कानूनी कदम उठाए जा सकते हैं।

साथियों, इस बहस का एक महत्वपूर्ण पहलू मानवाधिकार और संवैधानिक संतुलन भी है। भारत एक लोकतांत्रिक गणराज्य है जहाँ कानून का शासन सर्वोच्च माना जाता है। इसलिए किसी भी कार्रवाई में यह सुनिश्चित करना आवश्यक होगा कि वास्तविक भारतीय नागरिकों को परेशान न किया जाए और नागरिक अधिकारों का उल्लंघन न हो। यही कारण है कि विशेषज्ञ बार-बार कानूनी, निष्पक्ष और समयबद्ध प्रक्रिया की आवश्यकता पर जोर दे रहे हैं। यदि किसी व्यक्ति को विदेशी घोषित किया जाता है तो उसके लिए पर्याप्त कानूनी प्रक्रिया, अपील का अधिकार और दस्तावेजी सत्यापन आवश्यक होगा।

साथियों अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अवैध प्रवासन और जनसांख्यिकीय परिवर्तन आज कई देशों के लिए बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन चुके हैं। यूरोप, अमेरिका और एशिया के अनेक देशों में सीमा सुरक्षा, अवैध आप्रवास और राष्ट्रीय पहचान को लेकर तीखी बहसें चल रही हैं। भारत में भी यही विमर्श अब अधिक संस्थागत और नीति-आधारित रूप लेता दिखाई दे रहा है। फर्क केवल इतना है कि भारत की स्थिति अत्यंत जटिल है, क्योंकि यहाँ विविध भाषाएँ, धर्म, संस्कृतियाँ और सीमाई चुनौतियाँ एक साथ मौजूद हैं।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि मिशन डेमोग्राफी केवल अवैध घुसपैठ के विरुद्ध अभियान नहीं बल्कि भारत के भविष्य की सामाजिक, राजनीतिक और सुरक्षा संरचना से जुड़ा प्रश्न बन चुका है। एक पक्ष इसे राष्ट्रीय सुरक्षा, सांस्कृतिक पहचान और लोकतांत्रिक संतुलन की रक्षा के लिए आवश्यक कदम मानता है, जबकि दूसरा पक्ष आशंका व्यक्त करता है कि इस मुद्दे का राजनीतिक और सांप्रदायिक उपयोग हो सकता है। आईएमडीटी एक्ट से लेकर आज की हाई-लेवल कमेटी तक की यात्रा यह दिखाती है कि भारत में जनसांख्यिकीय परिवर्तन का प्रश्न केवल आँकड़ों का विषय नहीं बल्कि संविधान, नागरिकता, मानवाधिकार, लोकतंत्र और राष्ट्रीय सुरक्षा के जटिल संतुलन से जुड़ा हुआ है। आने वाले समय में समिति की रिपोर्ट और उसके आधार पर उठाए जाने वाले कदम यह तय करेंगे कि भारत इस चुनौती का समाधान किस दिशा में खोजता है। (-संकलनकर्ता लेखक क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए (एटीसी)

माता-पिता हैं वर्तमान की शक्ति और भविष्य की प्रेरणा

विश्व के अधिकतर देशों की संस्कृति में माता-पिता का रिश्ता सबसे बड़ा एवं प्रगाढ़ माना गया है। भारत में तो इन्हें ईश्वर का रूप माना गया है। माता-पिता को उनके बच्चों के लिए किए गए उनके काम, बच्चों के प्रति उनकी निस्वार्थ प्रतिबद्धता और इस रिश्ते को पोषित करने के लिए उनके आजीवन त्याग के लिए सम्मान और सराहना देने के लिए प्रतिवर्ष विश्व माता-पिता (अभिभावक) दिवस 1 जून को मनाया जाता है। यह संयुक्त राष्ट्र (यूएन) का पालन दिवस है। यह दिन हमें उस महान शक्ति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का भी अवसर देता है, जिसके कारण मानव जीवन का अस्तित्व, विकास और संस्कार संभव हो पाते हैं।

ललित गर्ग

(विश्व माता-पिता दिवस- 1 जून, 2026)

वर्ष 2026 की थीम 'माता-पिता के लिए एक साथ' एक अत्यंत महत्वपूर्ण संदेश लेकर आई है। यह केवल माता-पिता के सम्मान का आह्वान नहीं करती, बल्कि पूरे समाज, समुदायों, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारों को यह प्रेरणा देती है कि वे माता-पिता की भूमिका को समझें, उनके साथ खड़े हों और उनके दायित्वों को निभाने में सहयोग करें।

अधिकांश देशों में सदियों से माता-पिता का सम्मान करने की परंपरा रही है। माता-पिता ईश्वर का सबसे अच्छा उपहार हैं। जीवन में कोई भी माता-पिता की जगह नहीं ले सकता। वे सच्चे शुभचिंतक हैं। लेकिन मानव इतिहास में कभी भी परिवार और माता-पिता की भूमिका इतनी चुनौतीपूर्ण नहीं रही, जितनी आज है। तकनीकी क्रांति ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन मानवीय संबंधों को नई परीक्षाओं के सामने भी खड़ा कर दिया है। मोबाइल, इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस युग में बच्चों की दुनिया तेजी से बदल रही है। ज्ञान के स्रोत घर और विद्यालय से निकलकर डिजिटल मंचों तक पहुंच गए हैं। ऐसे समय में माता-पिता की भूमिका केवल पालन-पोषण तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि वे बच्चों के भावनात्मक संतुलन, नैतिक विकास, मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक चेतना के प्रमुख संरक्षक बन गए हैं। वे केवल जीवन देने वाले नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाले हैं। दुनिया के हर समाज में माता-पिता को सम्मान दिया जाता है, लेकिन भारतीय संस्कृति ने उन्हें विशेष रूप से देवत्व का स्थान प्रदान किया है। हमारे उपनिषदों का उद्घोष 'मातृ देवो भवः, पितृ देवो भवः'- मानव सभ्यता के श्रेष्ठतम जीवन मूल्यों में से एक है। मां अपने वात्सल्य, करुणा, त्याग और ममता से जीवन को सींचती है, जबकि पिता अपने परिश्रम, अनुशासन, संरक्षण और संघर्ष से भविष्य की मजबूत नींव रखता है। इसी कारण भारतीय परिवार व्यवस्था सदियों तक विश्व के लिए आदर्श बनी रही है।

हमारे इतिहास और पुराणों में ऐसे अनेक प्रसंग हैं जो माता-पिता के सम्मान और सेवा की प्रेरणा देते हैं। श्रवण कुमार की कथा केवल एक पुत्र की कहानी नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा है। अपने वृद्ध और दृष्टिहीन माता-पिता को कंधों पर बैठाकर तीर्थयात्रा कराने वाले श्रवण कुमार ने यह सिद्ध किया कि माता-पिता की सेवा सबसे बड़ा धर्म है। भगवान श्रीराम ने पिता दशरथ के वचन की रक्षा के लिए राज्य, वैभव और सुखों का त्याग कर वनवास स्वीकार किया। यह केवल आज्ञापालन नहीं था, बल्कि माता-पिता के सम्मान को सर्वोच्च मानने का संदेश था। महाभारत, रामायण और जैन तथा बौद्ध साहित्य में भी माता-पिता के प्रति श्रद्धा को जीवन का सर्वोच्च मूल्य माना गया है। भगवान के रूप में माता-पिता हमारे लिये एक सौगात हैं जिनकी हमें सेवा करनी चाहिए और कभी उनका दिल नहीं तोडना चाहिए। एक बच्चे को बड़ा और सभ्य बनाने में उसके पिता का योगदान कम करके नहीं आंका जा सकता। मां का रिश्ता सबसे गहरा एवं पवित्र माना गया है, लेकिन बच्चे को जब कोई खरोंच लग जाती है तो जितना दर्द एक मां महसूस करती है, वही दर्द एक पिता भी महसूस करते हैं। पिता कठोर इसलिये होते हैं ताकि बेटा उन्हें देख कर जीवन की समस्याओं से लड़ने का पाठ सीखे, सख्त एवं निडर बनकर जिंदगी की तकलीफों का सामना करने में सक्षम हो। माँ ममता का सागर है पर पिता उसका किनारा है। माँ से ही बनता घर है पर पिता घर का सहारा है। माँ से स्वर्ग है माँ से बैकुंठ, माँ से ही चारों धाम है पर इन सब का द्वार तो पिता ही है। आधुनिक समाज में माता-पिता और उनकी संतान के संबंधों की संस्कृति को जीवंत बनाने की अपेक्षा है।

आज जब एकल परिवारों का विस्तार हो रहा है, जीवन की गति तेज हो गई है और रिश्तों में औपचारिकता बढ़ती जा रही है, तब माता-पिता के प्रति संवेदनशीलता को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या, पारिवारिक विघटन और पीढ़ियों के बीच बढ़ती दूरी हमें यह सोचने के लिए विवश करती है कि कहीं आधुनिकता की दौड़ में हम अपने मूल्यों को तो नहीं खो रहे हैं। आर्थिक सफलता, सामाजिक प्रतिष्ठा और तकनीकी उपलब्धियां तभी सार्थक हैं, जब उनके साथ मानवीय संवेदनाएं भी जीवित रहें। जिस घर में माता-पिता सम्मानित होते हैं, वहां संस्कारों की धारा बहती है; जहां उनका उपेक्षित होना प्रारंभ होता है, वहां परिवार की आत्मा कमजोर पड़ने लगती है। वास्तव में माता-पिता किसी भी बच्चे के प्रथम गुरु होते हैं। विद्यालय ज्ञान दे सकता है, लेकिन जीवन जीने की कला, संघर्ष का साहस, प्रेम का भाव, करुणा की संवेदना और नैतिकता की नींव माता-पिता ही रखते हैं। वे अपने बच्चों के लिए अनगिनत त्याग करते हैं, अनेक सपनों का परित्याग करते हैं और बिना किसी अपेक्षा के उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए समर्पित रहते हैं। उनका प्रेम ऐसा निवेश है जिसका प्रतिफल वे कभी मांगते नहीं, लेकिन जिसकी छाया जीवनभर संतानों को सुरक्षा प्रदान करती रहती है। माता-पिता से जुड़ी संस्कृति एवं परिवारों को सशक्त बनाए बिना किसी भी राष्ट्र का भविष्य सुरक्षित नहीं हो सकता।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम माता-पिता को केवल सम्मान देने की औपचारिकता तक सीमित न रहें, बल्कि उनके प्रति कृतज्ञता, संवेदनशीलता और सहयोग की संस्कृति विकसित करें। उनके अनुभवों को सुनें, उनके संघर्षों को समझें, उनके साथ समय बिताएं और उन्हें यह विश्वास दिलाएं कि वे परिवार और समाज के लिए आज भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जितने पहले थे। माता-पिता केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि वर्तमान की शक्ति और भविष्य की प्रेरणा हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नारे ÷सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास'' की गूंज और भावना अभिभावकों के जीवन में उजाला बने, तभी नया भारत निर्मित होगा। मानवीय रिश्तों में दुनिया में माता-पिता और संतान का रिश्ता अनुपम है, संवेदनाभरा है। माता-पिता हर संतान के लिए एक प्रेरणा हैं, एक प्रकाश हैं और संभावनाओं के पुंज हैं। हर माता-पिता अपनी संतान की निषेधात्मक और दुष्प्रवृत्तियों को समाप्त करके नया जीवन प्रदान करते हैं। माता-पिता की प्रेरणाएं संतान को मानसिक प्रसन्नता और परम शांति देती है। जैसे औषधि दुख, दर्द और पीड़ा का हरण करती है, वैसे ही माता-पिता शिव पार्वती की भांति पुत्र के सारे अवसाद और दुखों का हरण करते हैं। विश्व माता-पिता दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि बदलती दुनिया में बहुत कुछ बदल सकता है, लेकिन माता-पिता के प्रेम, त्याग, मार्गदर्शन और समर्पण का कोई विकल्प कभी नहीं हो सकता। वे परिवार की जड़ हैं, संस्कृति के संवाहक हैं, मानवता के प्रथम शिक्षक हैं और सभ्यता की सबसे मजबूत नींव हैं। यदि हम एक संवेदनशील, संस्कारित और समृद्ध समाज का निर्माण करना चाहते हैं, तो हमें माता-पिता के सम्मान और सशक्तिकरण को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल करना होगा। इस दिवस को मनाने की सार्थकता तभी है जब हम केवल भारत में ही नहीं है बल्कि विश्व में अभिभावकों के साथ होने वाले अन्याय, उपेक्षा और दुर्व्यवहार पर लगाम लगाने की भी है।

मनेंद्रगढ़ कप 2026 क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन :श्याम बिहारी जायसवाल बोले- जल्द फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन, फ्लड लाइट लगाने की मांग

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेंद्रगढ़ कप 2026 क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन हो गया है टूर्नामेंट के 16वें संस्करण में वार्ड नंबर- 17 की टीम ने फाइनल मुकाबले में वार्ड क्रमांक 22 को हराकर खिताब जीता समापन समारोह में प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका उत्साह बढ़ाया। साथ ही विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी, पुरस्कार दिए गए। मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना विकसित करते हैं। उन्होंने क्षेत्र में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए जल्द ही फुटबॉल टूर्नामेंट आयोजित कराने और विधानसभा स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट शुरू करने की घोषणा की। वहीं, आयोजन समिति ने खेल ग्राउंड में फ्लड लाइट लगवाने की मांग की। इस पर मंत्री ने नगर पालिका प्रशासन को जल्द ही इसका एस्टीमेट तैयार कर पेश करने का निर्देश दिया। उन्होंने आयोजन समिति को आश्वासन दिया कि ग्राउंड में जल्द ही फ्लड लाइट लगाई जाएंगी।

अधिकारियों की सामूहिक बस यात्रा: मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में प्रशासनिक अधिकारियों ने सामूहिक यात्रा कर स्वच्छता का संदेश दिया। कलेक्टर संतन देवी जांगड़े और जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम सहित कई विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी एक साथ बस में सवार होकर प्रसिद्ध पर्यटन स्थल अमृतधारा जलप्रपात पहुंचे।

इस दौरान लगभग 50 किलोमीटर की यात्रा की गई। यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के तहत की गई। प्रशासन का उद्देश्य सामूहिक यात्रा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना रहा अमृतधारा जलप्रपात पहुंचने के बाद अधिकारियों ने श्रमदान कर परिसर की साफ-सफाई की। अभियान के दौरान जलप्रपात क्षेत्र में जगह-जगह शराब की खाली बोतलें और अन्य कचरा मिला, जिसे एकत्र कर नष्ट किया गया।

पर्यटकों से स्वच्छता की अपील: अधिकारियों ने पर्यटकों से अपील की कि वे पर्यटन स्थलों पर स्वच्छता बनाए रखें और कचरा न फैलाएं साथ ही कचरे के लिए निर्धारित डस्टबिन का उपयोग करने की सलाह दी गई अमृतधारा जलप्रपात छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल है, जहां हर वर्ष बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। प्रशासन की इस पहल का उद्देश्य स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देना रहा कलेक्टर संतन देवी जांगड़े ने कहा कि शासकीय अवकाश का सदुपयोग करते हुए सभी अधिकारी बस से सामूहिक रूप से यहां पहुंचे जिससे पेट्रोल-डीजल की खपत कम हुई। उन्होंने कहा कि श्रमदान के माध्यम से यह संदेश दिया गया है कि प्रकृति और शहर को स्वच्छ रखना सभी की जिम्मेदारी है।

धरमकुंडी-इटारसी रोड पर रेत डंपर पलटा, दो युवक घायल पुलिस टीम ने पहुंचाया अस्पताल

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। सिवनी मालवा तहसील के ग्राम धरमकुंडी के पास रविवार को एक सड़क हादसे में रेत से भरा डंपर पलट गया। दुर्घटना धरमकुंडी-इटारसी मार्ग पर ग्राम छापर की गुलाई के निकट हुई हादसे में डंपर में सवार दो युवक घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, डंपर क्रमांक एमपी 47 एच 4655 तवा नदी से रेत भरकर इंदौर की ओर जा रहा था। छापर की गुलाई के पास मोड़ पर चालक वाहन का संतुलन खो बैठा, जिससे डंपर सड़क किनारे पलट गया। दुर्घटना के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, वाहन में अरुण और सुरेश नामक दो युवक सवार थे। हादसे में अरुण को गंभीर चोटें आईं, जबकि सुरेश भी घायल हुआ। स्थानीय लोगों ने तत्काल दोनों को डंपर के केबिन से बाहर निकाला और प्राथमिक सहायता उपलब्ध कराई घायलों को अस्पताल पहुंचाने के लिए ग्रामीणों ने 108 एम्बुलेंस सेवा को सूचना दी लेकिन काफी प्रयासों के बाद भी एम्बुलेंस मौके पर नहीं पहुंची एम्बुलेंस नहीं पहुंचने पर उठे सवाल घटना को लेकर जनपद सदस्य शेरसिंह दरबार ने नाराजगी जताई। उनका कहना है कि गंभीर हादसे के बाद भी समय पर एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध नहीं होना चिंता का विषय है। उन्होंने सवाल उठाया कि आपात स्थिति में यदि समय पर इलाज न मिले तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा 108 सेवा उपलब्ध नहीं होने पर स्थानीय लोगों ने डायल 112 पर संपर्क किया। इसके बाद पुलिस की मदद से दोनों घायलों को उपचार के लिए सिविल अस्पताल सिवनी मालवा पहुंचाया गया हादसे के बाद क्षेत्र के लोगों ने ग्रामीण इलाकों में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। लोगों का कहना है कि दुर्घटना या अन्य आपात स्थितियों में समय पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के लिए 108 एम्बुलेंस सेवा को और अधिक प्रभावी बनाया जाना चाहिए।

पूर्णिमा पर 25 हजार श्रद्धालुओं ने किया नर्मदा स्नानंपिपरिया में पुरुषोत्तम मास के 15 दिन पूरे, सांडिया घाट पर लगा मेला

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। पिपरिया क्षेत्र में पुरुषोत्तम मास के 15 दिन पूरे होने पर रविवार को सांडिया स्थित नर्मदा तट पर धार्मिक मेला लगा। पूर्णिमा के अवसर पर करीब 25 हजार श्रद्धालुओं ने मां नर्मदा में आस्था की डुबकी लगाई श्रद्धालु सुबह से ही परिवार सहित सीताराम घाट पहुंचे यहां उन्होंने नर्मदा स्नान कर दान-पुण्य किया और अपने परिवार तथा देश की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की।

22 किलोमीटर दूर से पहुंचे श्रद्धालु: पिपरिया से लगभग 22 किलोमीटर दूर सांडिया घाट पर सुबह से ही भक्तों का आना-जाना शुरू हो गया था। 15 दिनों की साधना के बाद पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। सुबह मौसम भी सुहावना रहा। आसमान में बादल छाए रहे और ठंडी हवाओं ने लोगों को राहत दी।

25 हजार श्रद्धालुओं ने स्नान किया: श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए राजस्व विभाग, ग्राम पंचायत और पुलिस प्रशासन ने बाजार घाट, सीताराम घाट और शिवानी पुलघाट पर व्यवस्थाएं की थीं। सांडिया पुलिस चौकी प्रभारी किशन उईके ने बताया कि पूर्णिमा के अवसर पर करीब 25 हजार श्रद्धालुओं ने स्नान किया।

सुरक्षा व्यवस्था रही तैनात: पंडित राजेश मिश्रा ने बताया कि पुरुषोत्तम मास एक माह का विशेष धार्मिक काल होता है। उन्होंने कहा कि पूर्णिमा पर नर्मदा स्नान का विशेष महत्व है और आगे अमावस्या पर भी श्रद्धालु घाट पर स्नान के लिए पहुंचेंगे भीड़ और यातायात को नियंत्रित करने के लिए पुलिस बल मुख्य मार्ग और नर्मदा घाट पर तैनात रहा प्रशासन ने पूरे आयोजन के दौरान व्यवस्था बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभाई।

पुलिस ने सात फरार स्थाई वारंटियों को दबोचा एसपी के निर्देश पर विशेष अभियान, अलग-अलग स्थानों पर छापे, कोर्ट में पेश किया

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। पिपरिया पुलिस ने सात फरार स्थाई वारंटियों को गिरफ्तार किया है यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक साईकृष्णा एस. थोटा के निर्देश पर चलाए गए विशेष अभियान के तहत की गई। गिरफ्तार किए गए सभी वारंटियों को शनिवार को न्यायालय में पेश किया गया एसडीओपी मोहित कुमार यादव ने थाना प्रभारी गिरीश त्रिपाठी को फरार वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टीमों का गठन करने के निर्देश दिए थे। आगामी त्योहारों को देखते हुए जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया गया। पुलिस टीम ने मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर आरोपियों को पकड़ा।

कई वर्षों से फरार चल रहे थे वारंटी: पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए वारंटी नर्मदापुरम जिले के अलग-अलग क्षेत्रों के रहने वाले हैं और कई वर्षों से फरार चल रहे थे। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में पचलावरा निवासी देवेंद्र उर्फ चुटैया (30), ग्राम जमाड़ा निवासी राजकुमार अहिरवार (26), हथवास तिगड्डा निवासी भूपेंद्र साहू, सुयश सेल्स खापरखेड़ा थाना पिपरिया निवासी अरविंद पुरोहित, हथवास निवासी रज्जू भाट, शास्त्री वार्ड निवासी प्रशांत सलाम (26) तथा सुयश सेल्स खापरखेड़ा थाना पिपरिया निवासी अनिल पुरोहित शामिल हैं।

इटारसी में तेज आंधी के साथ मूसलाधार बारिश,बैनर और टीन शेड टूटकर गिरे

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। इटारसी में शनिवार-रविवार तड़के करीब 4 बजे अचानक मौसम बदल गया। तेज आंधी, बिजली की चमक और मूसलाधार बारिश ने शहर को अपनी चपेट में ले लिया। इससे जहां लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली, वहीं जनजीवन प्रभावित हो गया।

हवा से गिरे होर्डिंग और पेड़ की शाखाएं: बारिश से पहले चली तेज हवाओं ने शहर में काफी नुकसान पहुंचाया कई जगहों पर लगे होर्डिंग, बैनर और टीन शेड टूटकर गिर गए। सड़क किनारे पेड़ों की शाखाएं भी टूट गईं तेज हवा के कारण कई इलाकों में बिजली आपूर्ति ठप हो गई और ब्लैकआउट की स्थिति बन गई।

सड़कों पर जलभराव: मूसलाधार बारिश के कारण प्रमुख सड़कें पानी से भर गईं। निचले इलाकों और सड़क किनारे जलभराव से वाहन चालकों और पैदल यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बाजार क्षेत्र, कॉलोनियों और मुख्य मार्गों पर पानी जमा हो गया।

तापमान में गिरावट, मिली राहत: तेज बारिश के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई और मौसम में ठंडक घुल गई पिछले कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी और उमस से लोगों को बड़ी राहत मिली व्यवस्थाओं पर उठे सवाल मौसम के इस अचानक बदलाव ने एक ओर राहत दी, तो दूसरी ओर शहर की व्यवस्थाओं की पोल खोल दी। देर रात तक बिजली बहाली और जलभराव वाले क्षेत्रों को सामान्य करने के प्रयास जारी रहे।

4 जून को जिला पंचायत सामान्य सभा की बैठक विकास योजनाओं और जनहित पर होगी चर्चा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिला पंचायत मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर की सामान्य सभा की बैठक 4 जून 2026 को जिला पंचायत सभाकक्ष में दोपहर 12 बजे आयोजित की जाएगी बैठक में जिले के जनप्रतिनिधि और संबंधित अधिकारी शामिल होकर विभिन्न विकासात्मक और जनहित के मुद्दों पर विचार-विमर्श करेंगे बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले के विकास कार्यों की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करना और ग्रामीण क्षेत्रों में जन सुविधाओं को और बेहतर बनाने के उपायों पर चर्चा करना है बैठक के एजेंडे में जिला पंचायत की आय-व्यय रिपोर्ट की समीक्षा के साथ-साथ ग्रामीण विकास और प्रशासनिक व्यवस्थाओं से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को शामिल किया गया है विशेष रूप से बैठक में वीबी-ग्राम जी प्रशिक्षण जल संरक्षण अभियान झमोर गांव मोर पानी जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने संबंधी नवीन निर्देशों की जानकारी ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट) प्रशिक्षण और महतारी वंदन योजना की प्रगति की समीक्षा पर ध्यान दिया जाएगा अध्यक्ष की अनुमति से अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा, ताकि जिले के विकास कार्यों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। जिला प्रशासन का प्रयास है कि सभी योजनाएं समय पर पूरी हों और ग्रामीण जनता को सुविधाएं सुचारू रूप से उपलब्ध हों जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी के साथ यह बैठक जिले के विकास और जनहित के निर्णयों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

नशे से दूर रहकर संस्कारित और सकारात्मक रहने की अपील,गायत्री परिवार की रैली में पुलिस-बच्चे पहुंचे लोगों से नशामुक्ति की अपील

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के कोलारस कस्बे में रविवार को गायत्री परिवार और पुलिस प्रशासन ने संयुक्त रूप से नशा मुक्ति अभियान के तहत एक विशाल जनजागरूकता यात्रा का आयोजन किया इस यात्रा में बच्चों पुलिस परिवार के सदस्यों और जागरूक नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिसका उद्देश्य लोगों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना था यह यात्रा एबी रोड स्थित गायत्री मंदिर से शुरू हुई। नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए यह बस स्टैंड एप्रोच रोड पहुंची और धर्मशाला हनुमान मंदिर पर इसका समापन हुआ यात्रा के दौरान, प्रतिभागियों ने लोगों को नशामुक्त जीवन अपनाने का संदेश दिया। विशेष रूप से बच्चों के हाथों में नशा मुक्ति संबंधी संदेशों वाली तख्तियां थीं। उनके प्रेरणादायक नारों ने उपस्थित लोगों का ध्यान आकर्षित किया और अभियान को प्रभावी बनाया वक्ताओं ने इस अवसर पर कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों के लिए घातक है उन्होंने लोगों से नशे से दूर रहकर स्वस्थ संस्कारित और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने की अपील की। आयोजकों ने बताया कि यह यात्रा केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि समाज को नशे की बुराइयों से मुक्त करने का एक सशक्त संकल्प है।

अमृतधारा जलप्रपात में बढ़ी सुरक्षा, जिला प्रशासन ने लगाए चेतावनी बोर्ड

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। अमृतधारा जलप्रपात में हाल ही में हुई दुखद घटना के बाद जिला प्रशासन ने पर्यटकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए त्वरित कदम उठाए हैं प्रशासन ने जलप्रपात क्षेत्र के संवेदनशील और दुर्घटना संभावित स्थानों पर चेतावनी और सुरक्षा सूचना बोर्ड स्थापित किए हैं, ताकि पर्यटक सुरक्षित रहें और किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना की पुनरावृत्ति न हो प्रशासन की पहल पर अमृतधारा परिसर में ऐसे स्थानों की पहचान की गई है जहां फिसलन या जल की गहराई के कारण दुर्घटना का खतरा अधिक रहता है। इन स्थानों पर स्पष्ट चेतावनी संदेश प्रदर्शित किए गए हैं, जिनमें पर्यटकों से सावधानी बरतने और प्रतिबंधित क्षेत्रों में न जाने की अपील की गई है। जिला प्रशासन ने कहा है कि इन सुरक्षा उपायों का उद्देश्य न केवल पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है, बल्कि जलप्रपात को एक व्यवस्थित और पर्यटक-अनुकूल स्थल के रूप में विकसित करना भी है जिला अधिकारी ने पत्रकारों को बताया कि 'पर्यटकों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है सभी संवेदनशील क्षेत्रों में चेतावनी बोर्ड लगाए गए हैं और कर्मचारियों की ड्यूटी बढ़ाई गई है ताकि किसी भी आकस्मिक स्थिति में तुरंत प्रतिक्रिया दी जा सके। हम सभी से अपील करते हैं कि वे इन निर्देशों का पालन करें और जोखिमपूर्ण गतिविधियों से बचें सुरक्षा बढ़ाने के लिए प्रशासन ने जलप्रपात क्षेत्र में नियमित निरीक्षण और निगरानी को भी बढ़ा दिया है। इसके साथ ही, पर्यटक सूचना केंद्रों पर सुरक्षा मार्गदर्शन और आपातकालीन संपर्क नंबर उपलब्ध कराए गए हैं। इस कदम से यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि कोई भी पर्यटक आवश्यक सहायता समय पर प्राप्त कर सके स्थानीय लोगों और पर्यटकों ने प्रशासन के इस प्रयास की सराहना की है। कई पर्यटकों ने कहा कि चेतावनी बोर्डों और सुरक्षा उपायों से अब उन्हें जलप्रपात का आनंद लेने में अधिक विश्वास और सुरक्षा का अनुभव हो रहा है जिला प्रशासन का यह प्रयास यह दर्शाता है कि प्राकृतिक पर्यटन स्थलों की सुरक्षा में संवेदनशीलता और सतर्कता बेहद महत्वपूर्ण है। अमृतधारा जलप्रपात अब न केवल अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाएगा बल्कि यहां आने वाले लोग सुरक्षित वातावरण में अपनी यात्रा का आनंद ले सकेंगे प्रशासन ने सभी से अनुरोध किया है कि वे सतर्क रहें चेतावनी बोर्डों का पालन करें और प्रकृति की सुंदरता का आनंद सुरक्षित तरीके से लें।

आईटीआई के पास कार-ट्रक भिड़ंत : महिला की मौत चार घायल जन्मदिन मनाकर लौटते समय हादसा, ड्राइवर फरार

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के देहात थाना क्षेत्र में आईटीआई के पास रविवार रात डेढ़ बजे एक कार और ट्रक की आमने-सामने की भिड़ंत हो गई इस हादसे में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई जबकि कार में सवार चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जानकारी के अनुसार अनीता जाटव (मृतक) उनकी बेटी करिश्मा जाटव (17) बबीता जाटव (29) उनका बेटा रितिक जाटव (9) और अभिषेक जाटव (20) अमोलपठा चौकी क्षेत्र के नयागांव में एक जन्मदिन समारोह से लौट रहे थे। उनके साथ चालक रोहित जाटव भी था शिवपुरी शहर पहुंचने पर आईटीआई के पास उनकी कार की ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई हादसे में अनीता जाटव की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई उनकी बेटी करिश्मा जाटव गंभीर रूप से घायल हुई हैं इसके अलावा, बबीता जाटव रितिक जाटव और अभिषेक जाटव को भी चोटें आई हैं सभी घायलों को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। मेडिकल कॉलेज चौकी पुलिस ने मर्ग कायम कर अनीता जाटव के शव का पोस्टमार्टम कराया है पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है हादसे के बाद कार ड्राइवर मौके से फरार हो गया जिसकी तलाश की जा रही है।

इटारसी में तेज आंधी के साथ मूसलाधार बारिश : कई इलाकों में ब्लैकआउट, होर्डिंग, बैनर और टीन शेड टूटकर गिरे

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। इटारसी में शनिवार-रविवार तड़के करीब 4 बजे अचानक मौसम बदल गया। तेज आंधी, बिजली की चमक और मूसलाधार बारिश ने शहर को अपनी चपेट में ले लिया। इससे जहां लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली, वहीं जनजीवन प्रभावित हो गया।

हवा से गिरे होर्डिंग और पेड़ की शाखाएं: बारिश से पहले चली तेज हवाओं ने शहर में काफी नुकसान पहुंचाया। कई जगहों पर लगे होर्डिंग, बैनर और टीन शेड टूटकर गिर गए। सड़क किनारे पेड़ों की शाखाएं भी टूट गईं। तेज हवा के कारण कई इलाकों में बिजली आपूर्ति ठप हो गई और ब्लैकआउट की स्थिति बन गई।

सड़कों पर जलभराव: मूसलाधार बारिश के कारण प्रमुख सड़कें पानी से भर गईं। निचले इलाकों और सड़क किनारे जलभराव से वाहन चालकों और पैदल यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बाजार क्षेत्र, कॉलोनियों और मुख्य मार्गों पर पानी जमा हो गया।

तापमान में गिरावट, मिली राहत: तेज बारिश के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई और मौसम में ठंडक घुल गई। पिछले कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी और उमस से लोगों को बड़ी राहत मिली।

व्यवस्थाओं पर उठे सवाल: मौसम के इस अचानक बदलाव ने एक ओर राहत दी, तो दूसरी ओर शहर की व्यवस्थाओं की पोल खोल दी। देर रात तक बिजली बहाली और जलभराव वाले क्षेत्रों को सामान्य करने के प्रयास जारी रहे।

रायसेन में नौतपा के दौरान तेज आंधी से जनजीवन प्रभावित : 60-70 किमी प्रति घंटे हवा से बिजली सप्लाई ठप

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले में नौतपा के दौरान पिछले तीन दिनों से मौसम का मिजाज बदला हुआ है। शनिवार, रविवार की रात 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी चली। इस आंधी के कारण शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित हुई। करीब डेढ़ घंटे तक चली तेज हवा के चलते कई स्थानों पर पेड़ और बिजली के पोल गिर गए। मौसम में आए इस बदलाव से दिन और रात के तापमान में 6 से 8 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई है। तीन दिन पहले जिले का अधिकतम तापमान 44? सेल्सियस तक पहुंच गया था, जो अब घटकर 37 से 38? सेल्सियस के बीच आ गया है। वहीं न्यूनतम तापमान भी 30 डिग्री से गिरकर करीब 24 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

सुबह से ठंडी हवाएं चल रही : मौसम में आई इस नरमी से लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिली है। रविवार सुबह से ठंडी हवाएं चल रही है और आसमान में बादल छाए रहे। मौसम विभाग ने जिले में बूंदाबांदी की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी और उत्तर-पश्चिम भारत से आने वाली गर्म हवाओं के प्रभाव के कारण प्रदेश के कई हिस्सों में मौसम में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। इसी वजह से रायसेन में दिन के समय गर्मी महसूस हो रही है, जबकि शाम और रात के समय मौसम सुहावना हो जा रहा है।

आज हल्की बारिश के आसार: विभाग ने आज (31 मई) गरज-चमक के साथ हल्की बारिश की संभावना व्यक्त की है। साथ ही 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से धूल भरी आंधी चलने की चेतावनी भी जारी की गई है। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले तीन दिनों तक जिले में मौसम का यह बदला हुआ मिजाज बना रह सकता है।

सीहोर में आधी रात आंधी के साथ बरसे बादल, तापमान में गिरावट से मौसम हुआ सुहावना, कई इलाकों में गुल रही बिजली

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर में भीषण गर्मी और नौतपा की तपिश के बीच बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात मौसम ने अचानक करवट ली। रात करीब एक बजे तेज आंधी और बारिश के साथ जिले में इस सीजन की पहली प्री-मानसून बारिश दर्ज की गई। बारिश से लोगों को गर्मी और लू से राहत मिली। दिनभर तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण जनजीवन प्रभावित रहा। दोपहर में सड़कों पर आवाजाही कम दिखाई दी, लेकिन शाम होते-होते मौसम का मिजाज बदलने लगा। आसमान में घने काले बादल छा गए और देर रात तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई। बारिश के बाद तापमान में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। ठंडी हवाएं चलने से मौसम सुहावना हो गया और लोगों ने राहत की सांस ली। लंबे इंतजार के बाद हुई बारिश से वातावरण में ताजगी महसूस की गई। बारिश के बाद धरती से उठी सोंधी खुशबू ने लोगों को मानसून की आहट का एहसास कराया।

कई इलाकों में गुल रही बिजली: प्री-मानसून बारिश को किसानों के लिए भी राहतभरी माना जा रहा है। खरीफ सीजन की तैयारियों में जुटे किसानों को इससे फायदा मिलेगा। खेतों की जुताई और अन्य कृषि कार्यों में अब तेजी आने की उम्मीद है। हालांकि तेज आंधी और बारिश के कारण शहर और आसपास के कुछ क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति प्रभावित रही।

आधी रात को तेज आंधी के साथ बूंदाबांदी, रतलाम में बारिश से पारा 2 डिग्री सेल्सियस लुढ़का

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम में नौतपा के छठे दिन शनिवार की आधी रात मौसम ने अचानक करवट ले ली। रात करीब 12 बजे के बाद तेज आंधी-तूफान के साथ रिमझिम बूंदाबांदी शुरू हो गई। कुछ देर तक हल्की बारिश होती रही, हालांकि धूल भरी आंधी का दौर जारी रहा। शनिवार सुबह हुई बारिश के असर से दिन का तापमान 2 डिग्री सेल्सियस लुढ़क गया, जबकि रात के तापमान में 2.3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। नौतपा अभी समाप्त नहीं हुआ है, इसके बावजूद मौसम में अचानक आए बदलाव ने लोगों को गर्मी से राहत दी है। मौसम विभाग ने 31 मई, 1 जून और 2 जून को आंधी-तूफान के साथ बारिश की संभावना जताई है।

इसका असर शनिवार रात से ही देखने को मिला। आधी रात के बाद तेज ठंडी हवाएं आंधी-तूफान के रूप में चलने लगीं। इसके साथ ही कुछ देर तक बूंदाबांदी भी हुई। रतलाम शहर के साथ जिले के कई इलाकों में रातभर आंधी-तूफान का असर बना रहा।

न्यूनतम तापमान में 2.3 डिग्री की कमी

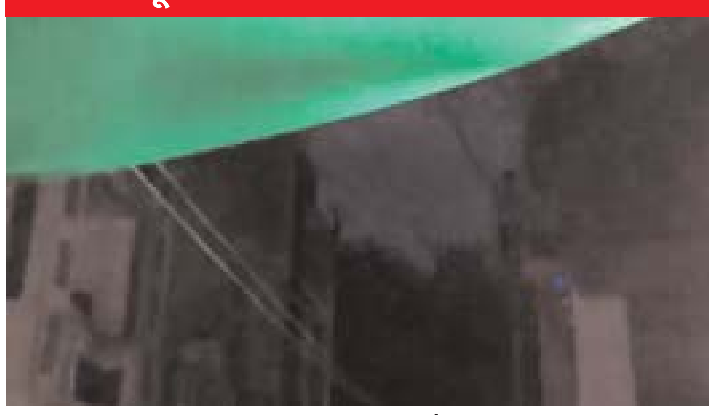

बारिश से लुढ़का पारा: शनिवार तड़के करीब 4 बजे से सुबह 7 बजे तक रुक-रुक कर कभी तेज तो कभी रिमझिम बारिश होती रही। दिनभर हवा चलती रही, हालांकि शाम होते-होते हवाओं का दौर थम गया। लेकिन रात 12 बजे के बाद अचानक तेज हवाओं ने मौसम में ठंडक घोल दी।

बारिश और हवाओं के असर से शनिवार को अधिकतम तापमान 39.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि एक दिन पहले शुक्रवार को यह 41.2 डिग्री था। इस तरह अधिकतम तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई। वहीं न्यूनतम तापमान भी 24.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो शुक्रवार के 26.5 डिग्री की तुलना में 2.3 डिग्री कम रहा। रात के तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई।

मौसम विभाग की चेतावनी

25 मई से नौतपा की शुरुआत हुई है। रविवार को नौतपा का 7वां दिन रहेगा। लेकिन इसके पहले ही मौसम विभाग की भविष्यवाणी सच हो रही है। मौसम विभाग ने 30 मई के बाद अधिकांश जिलों में बारिश का दौर शुरू होने की संभावना जताई थी। शनिवार को प्रदेश के कई जिलो में बारिश हुई थी। मौसम विभाग ने 31 मई को अधिकांश जिलों में आंधी-बारिश की चेतावनी जारी की है जिसमें रतलाम भी शामिल है। 1 व 2 जून को भी ऐसा ही मौसम रह सकता है। पिछले पांच दिन के तापमान पर एक नजर (आंकड़े डिग्री सेल्सियस में है)

दिनांक	अधिकतम	न्यूनतम
30 मई	39.2	24.2
29 मई	41.0	26.5
28 मई	42.0	27.0
27 मई	41.5	27.2
26 मई	42.2	27.0

गरोठ में तेज आंधी के साथ हुई बारिश

रातभर बिजली रही गुल, अगले दो दिन पानी गिरने की संभावना

मीडिया ऑडीटर, गरोठ (निप्र)। गरोठ और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में शनिवार रात मौसम ने अचानक करवट ली। देर रात तेज धूल भरी आंधी, गरज-चमक और बारिश के कारण क्षेत्र में मौसम का मिजाज बदल गया। खराब मौसम का असर विद्युत व्यवस्था पर भी पड़ा और कई इलाकों में घंटों तक बिजली आपूर्ति बाधित रही।

रविवार सुबह मौसम साफ रहा और धूप खिली दिखाई दी। मौसम विभाग के अनुसार सुबह तापमान 29 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। क्षेत्र में दक्षिण-पश्चिम दिशा से करीब 9 मील प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चल रही है, जबकि वातावरण में नमी का स्तर 55 प्रतिशत बना हुआ है।

अगले दो दिन बारिश की संभावना: मौसम विभाग ने रविवार को अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान जताया है। विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों तक मौसम में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है।

सोमवार को गरज-चमक के साथ हल्की बारिश की संभावना है।

इस दौरान अधिकतम तापमान घटकर 34 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। वहीं मंगलवार को गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना अधिक बताई गई है।

प्रशासन ने जारी की सलाह: मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार बुधवार से मौसम फिर सामान्य और मुख्य रूप से साफ रहने की संभावना है। मौसम में बदलाव को देखते हुए स्थानीय प्रशासन ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। आंधी और तूफान के दौरान पेड़ों, बिजली के खंभों तथा जर्जर भवनों से दूर रहने की अपील की गई है।

पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु आवेदन की तिथि बढ़ी, अब 15 जून तक कर सकेंगे आवेदन

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। राज्य सरकार के पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा संचालित पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना सत्र 2025-26 के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि में वृद्धि की गई है। अब विद्यार्थी 31 मई 2026 के स्थान पर 15 जून 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। विभाग की सहायक संचालक श्रीमती संगीता जायसवाल द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, जिन पात्र विद्यार्थियों ने अभी तक छात्रवृत्ति हेतु आवेदन नहीं किया है, वे विस्तारित समय-सीमा का लाभ उठाते हुए अपना आवेदन निर्धारित तिथि तक अनिवार्य रूप से पूर्ण करें। छात्रवृत्ति के लिए आवेदन केवल एमपी टास (MP TASS) पोर्टल के माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे। नवीन आवेदक पहले पोर्टल पर पंजीयन कर आवेदन प्रक्रिया पूर्ण कर सकते हैं।

महत्वपूर्ण जानकारी: पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना सत्र 2025-26 आवेदन माध्यम : एमपी टास (MP TASS)पोर्टल पोर्टल लिंक : https://mptass.mp.gov.in पर आवेदन की अंतिम तिथि (विस्तारित) : 15 जून 2026 नवीन आवेदक : पंजीयन के उपरांत आवेदन करें समस्या निवारण : पोर्टल पर उपलब्ध 'Help Desk' सेक्शन के माध्यम से संपर्क करें विभाग ने सभी विद्यार्थियों से अपील की है कि वे आवश्यक दस्तावेजों को अपलोड कर निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवेदन प्रक्रिया पूर्ण करना सुनिश्चित करें, ताकि छात्रवृत्ति के लाभ से वंचित न रह जाएं।

आंधी-बारिश से बदला मौसम, गर्मी से मिली राहत

नर्मदापुरम में तड़के बरसे बादल, तेज हवा से कई इलाकों की बिजली गुल

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में शनिवार रात करीब 1 बजे अचानक मौसम ने करवट बदली। करीब दो घंटे तक 40 से 60 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से आंधी भी चल सकती है।

तड़के 4.30 बजे से आधे घंटे तेज बारिश भी हुई। जिससे वातावरण में ठंडक घुल गई। लोगों को गर्मी से काफी राहत मिली। रविवार सुबह से मौसम साफ हो गया, धूप निकल आई।

मौसम विभाग के मुताबिक, रविवार को ठंडक बनी रहेगी। हल्की बारिश होने की संभावना है।

आंधी का असर जिले भर में रहा: शनिवार को तेज हवा आंधी का असर जिलेभर में रहा। कहीं-कहीं पेड़ गिरें। आंधी चलने से शहर में बिजली सप्लाई भी प्रभावित हुआ। शहर के अंकिता नगर, हाउसिंग बोर्ड न्यास कॉलोनी, मालाखेड़ी, सदर बाजार, बालागंज समेत अन्य इलाकों की बिजली गुल हो गई।

न्यास कॉलोनी क्षेत्र की बिजली सुबह 7 बजे से नहीं आ पाई। 25 मई से नौतपा चल रहा है, जिससे तापमान 42 के पार हुआ था। शनिवार को बादल छाए रहने से गर्मी से राहत मिली। ढ्रख्ढ (मौसम केंद्र) के अनुसार, रविवार को भी गरज-चमक, आंधी और हल्की बारिश हो सकती है।

रोजगार की पढ़ाई चले आईटीआई, शासकीय आईटीआई में सत्र 2026-27 में प्रवेश हेतु ऑनलाइन पंजीयन जारी हैं

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। जिले की समस्त शासकीय आईटीआई में सत्र 2026-27 में प्रवेश हेतु ऑनलाइन पंजीयन की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। विदिशा जिला अंतर्गत 7 शासकीय आईटीआई में विभिन्न ट्रेड जैसे कि फिटर, इलेक्ट्रिशियन, मोटर मैकेनिक, टर्नर, वेल्डर, इलेक्ट्रानिक्स मैकेनिक, ट्रैक्टर मैकेनिक, डीजल मैकेनिक, सुइंग टेक्नोलॉजी, ड्रोन टेक्नोलॉजी, कंप्युटर ऑपरेटर एण्ड प्रोग्रामिंग असिस्टेन्ट (कोपा), एवं वर्तमान परिप्रेक्ष्य के अनुरूप सोलर टेकनीशियन ट्रेड प्रारंभ की गई है। इच्छुक आवेदक विभाग के पोर्टल www.dsd.mp.gov.in पर जाकर ''प्रवेश 2026'' में जाकर स्वयं के मोबाईल, कंप्युटर, अथवा एमपीऑनलाइन पर जाकर पंजीयन कर सकते हैं। आवेदकों के सहयोग हेतु समस्त शासकीय आईटीआई में हेल्पडेस्क की स्थापना की गई है। आवेदक किसी भी समस्या के समाधान, अधिक जानकारी हेतु अथवा पंजीयन हेतु निकटतम शासकीय आईटीआई में जाकर पंजीयन एवं चॉइस फिलिंग कर सकते हैं। अधिक जानकारी हेतु आवेदक संस्था के प्रवेश प्रभारी से संपर्क कर सकते हैं।

दमोह में नौतपा के सातवें दिन छाए बादल : तापमान गिरा, छह दिन बाद बाजार और सड़कों पर चहल-पहल

मीडिया ऑडीटर, दमोह (निप्र)। दमोह में नौतपा के सातवें दिन रविवार को मौसम में बदलाव देखा गया। आसमान में बादल छाने से लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली और तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। मौसम बदलने के साथ ही बाजारों में लोगों की आवाजाही बढ़ गई। दोपहर करीब 1 बजे तक अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस रहा। शनिवार को तेज धूप के कारण बाजारों में भीड़ कम थी और लोग गर्मी से परेशान थे, लेकिन रविवार को मौसम बदलने के बाद बादल छाए रहे। मौसम में आए इस बदलाव का असर यह रहा कि जिस धूप में लोग घरों से बाहर नहीं निकल रहे थे, उसी दिन दोपहर 1 बजे खेल मैदान में कई बच्चे क्रिकेट खेलते नजर आए। शहर की सड़कों पर भी लोग बिना सिर ढके या तौलिया लिए चलते दिखे, जिससे पता चलता है कि उन्हें धूप का एहसास नहीं हो रहा था। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, अगले एक-दो दिन मौसम ऐसा ही बना रहेगा और बारिश की भी संभावना है।

खंडवा में डिलीवरी बॉय निकला नशे का सप्लायर

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा शहर में डिलीवरी बॉय की आड़ में प्रतिबंधित नशीली दवाओं की सप्लाई करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए सिटी कोतवाली पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस ने 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 1600 अल्प्राजोलम टैबलेट, एक इलेक्ट्रिक स्कूटी, दो एंड्रॉयड मोबाइल और नकदी सहित करीब 1.24 लाख रुपए का माल बरामद किया है। मामले में एक आरोपी अभी फरार है, जिसकी तलाश के लिए पुलिस टीम गठित की गई है।

बरेली में टीबी मुक्त भारत अभियान अन्तर्गत आयुष्मान आरोग्य शिविर आयोजित फूड बास्केट का भी किया गया वितरण

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत विकासखंड बरेली अन्तर्गत '100 दिवसीय आयुष्मान आरोग्य अभियान' के तहत ग्राम डिब्बी, मनकापुर एवं पिपरिया खाकी में आयुष्मान आरोग्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक वर्ग, विशेषकर उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों के निवासियों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना एवं टीबी (क्षय रोग) जैसी गंभीर बीमारी की समय पर पहचान करना रहा। एल.टी.फाउन्डेषन(दावत राईस)मंडीदीप के माध्यम से टीबी मरीजों को फूड बास्केट वितरण किया गया। शिविर में आए नागरिकों की टीबी स्क्रीनिंग हीमोग्लोबिन, रक्तचाप, रक्त शर्करा एवं बीएमआई सहित अन्य जरूरी स्वास्थ्य परीक्षण भी किए गए। जिले में 375 हाई रिस्क ग्रामों का चिन्हांकन किया गया है।

सागर में मारपीट के साक्ष्य छिपाने वाला आरोपी गिरफ्तार

सीसीटीवी, डीवीआर निकालकर ले गया था, पुलिस ने जब्त किया

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर के गोपालगंज थाना क्षेत्र में मारपीट के एक मामले में साक्ष्य छिपाने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के पास से घटना से जुड़ा सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर भी बरामद किया गया है। पुलिस ने आरोपी को थाने लाकर पूछताछ के बाद न्यायालय में पेश किया है।

पुलिस के अनुसार फरियादी शिवम परिहार निवासी ग्राम मांगेरोल, जिला फिरोजाबाद (उत्तर प्रदेश) ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि 29 मई को वह अपने दोस्त के साथ एक दुकान पर गया था, जहां बिल भुगतान को लेकर विवाद हो गया।

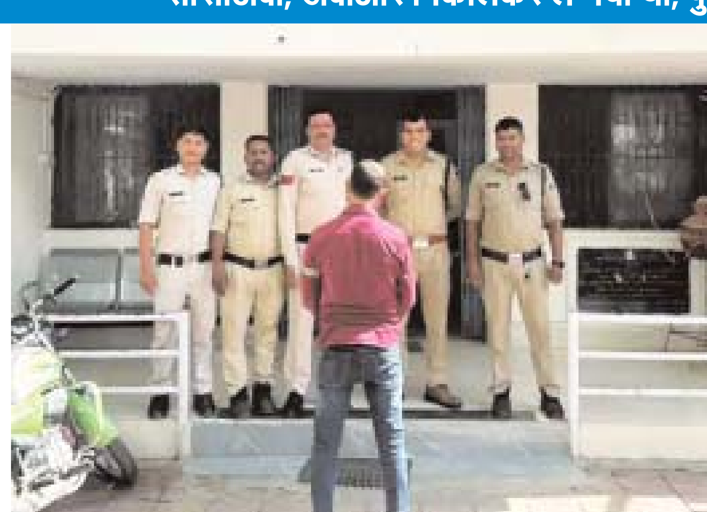

मारपीट के बाद दर्ज हुआ मामला: विवाद बढ़ने पर दुकान संचालक पक्ष के अनस खान और उसके साथियों ने फरियादी के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की, जिसमें वह घायल हो गया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की, जिसमें सामने आया कि घटना से जुड़े महत्वपूर्ण साक्ष्य नष्ट करने और जांच को प्रभावित करने की कोशिश की गई है। दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर गायब पाया गया।

भाई ने छिपाया DVR: आगे की जांच में पता चला कि आरोपी अनस खान के छोटे भाई आकिब पिता आरिफ खान ने घटना के सीसीटीवी फुटेज को छिपाने के उद्देश्य से डीवीआर निकालकर कहीं छिपा दिया था। इसके आधार पर पुलिस ने आकिब के खिलाफ मामला दर्ज किया और तलाश शुरू की। शनिवार को पुलिस ने आरोपी आकिब खान को गिरफ्तार कर लिया।

गोपालगंज थाना प्रभारी घनश्याम शर्मा ने बताया कि साक्ष्य छिपाने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ के दौरान उसकी निशानदेही पर छिपाया गया सीसीटीवी डीवीआर भी बरामद कर लिया गया है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया है और मामले की आगे जांच जारी है।

आईपीएल में मेरी भूमिका विकेटकीपिंग तक ही सीमिति नहीं थी : जुरेल

नये गेंदबाजों का हौंसला बढ़ाने की भी थी जिम्मेदारी

मुम्बई, एजेंसी। राजस्थान रॉयल्स के युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने कहा है इस आईपीएल सत्र में उनकी टीम को काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा पर उसका ध्यान सकारात्मक खेल बना रहा। टीम हालांकि क्वालीफायर में असफल रही पर उसने अपनी ओर से पूरा प्रयास किया। जुरेल ने साथ ही कहा कि इस टूर्नामें में मेरी भूमिका केवल विकेटीपिंग और बल्लेबाजी के दौरान रन बनाने तक ही सीमित नहीं थी बल्कि पहली बार खेल रहे गेंदबाजों को हौंसला बढ़ाना और उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाना भी शामिल था। आमतौर पर बड़े मंच पर खिलाड़ियों में घबराहट और आत्मविश्वास की कमी हो जाती है।

आईपीएल जैसे प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट में हर मैच में काफी दबाव होता है और उतार-चढ़ाव आते रहते है। ऐसे में टीम को मनोबल बनाए रखते हुए हर स्थिति में सकारात्मक रवैया अपनना पड़ता है। के हमारी टीम इसी लीक पर चली जिससे उसे कठिन क्षणों में भी एकजुट रहने और बेहतर प्रदर्शन करने में सहायता मिली। यह केवल खेल रणनीति नहीं, बल्कि टीम की आंतरिक संस्कृति का हिस्सा बन गया था।

जुरेल ने कहा, ''एक विकेटकीपर के तौर पर जब मैं गेंदबाजों से बात करता हूं तो मैं उनसे कभी नहीं कहता कि कैसी गेंदबाजी करनी है। मैं इतना ही कहता हूं कि अपना समय लो, आप अच्छा करोगे और इसलिये ही यहां पहुंचे हो।'' उन्होंने आगे कहा, ''मैं उन्हें आत्मविश्वास देने पर ध्यान देना था। मैं उनसे कहता था कि अपने पर भरोसा रखो। जो भी गेंद डालनी हो, उस पर अडिग रहो। जरूरत से ज्यादा मत सोचो। हमें अच्छी क्रिकेट खेलनी होगी। हमें सकारात्मक खेल दिखाना होगा।'' इससे युवा गेंदबाजों को दबाव से मुक्ति मिलती थी जिससे वे अपना स्वाभविक खेल दिखा पाते थे।

जुरेल ने ड्रेसिंग रूम के माहौल की अहमियत पर भी प्रकाश डाला। उनके मुताबिक, ड्रेसिंग रूम में की गई सकारात्मक बातचीत का मैदान पर काफी अच्छा असर पड़ता है। जब खिलाड़ी बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरते हैं, तो साथी खिलाड़ियों द्वारा साझा की गई बातें उनके दिमाग में रहती हैं, जिससे उन्हें मुश्किल हालातों में भी शांत रहने और सही फैसला लेने में मदद मिलती है। यह स्वस्थ संवाद टीम में एक मजबूत और सकारात्मक माहौल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मध्यक्रम में एक बल्लेबाज के रूप में उनकी जिम्मेदारी साझेदारियां बनाने पर भी रही हैं। उनका ध्यान स्ट्राइक बदलते रहने और यशस्वी जायसवाल तथा वैभव सूर्यवंशी जैसे आक्रामक बल्लेबाजों की मदद करने पर रहता है, जिससे टीम के लिए बड़ी साझेदारियां बनती रहे हैं ।

फिटनेस और स्ट्राइक रेट सुधारने का लाभ मिला: सरफराज

मुम्बई, एजेंसी। बल्लेबाज सरफराज खान अब टी20 मुंबई लीग में खेलते हुए नजर आयेंगे। टी20 मुंबई लीग के चौथे सत्र से पहले मुंबई वेस्टर्न सबअर्ब्स आकाश टाइगर्स की ओर से खेलेंगे। इसी दौरान सरफराज ने खुलासा किया कि पिछले दो साल जब उन्हें आईपीएल में अवसर नहीं मिला था तो उन्होंने अपनी फिटनेस और स्ट्राइक रेट पर काम किया था। सरफराज का कहना है कि इसका लाभ अब उन्हें मिला है। इसी कारण वह आईपीएल के 19 वें सत्र में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की ओर से खेलते समय सहज रहे। सरफराज पिछले कुछ आईपीएल सत्रों में किसी भी टीम ने नहीं खरीदा था। हालांकि, इस साल उन्हें सीएसके ने अवसर दिया। सरफराज ने अपने मुश्किल दौर को याद किया। उन्होंने कहा, आईपीएल में मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौती थी वापसी करना और एक प्रभावी स्ट्राइक रेट के साथ प्रदर्शन करना। पूर्व में मुझे स्ट्राइक रेट और फिटनेस को लेकर कुछ समस्याएँ थीं, और इन्हीं कारणों से मुझे दो साल तक अवसर नहीं मिला। उस दौरान मेरे मन में यही था कि मुझे हर हाल में वापसी करनी है। इसी बीच उन्होंने अपनी कमजोरियों पर काम किया।

उन्होंने अपनी बात जारी रखते हुए बताया, मुझे अपने स्ट्राइक रेट में सुधार करने और अपनी फिटनेस को एक उच्च स्तर पर ले जाने की सख्त आवश्यकता थी। यही वह मुख्य कारण था जिसके चलते मैं दो साल तक आईपीएल में जगह नहीं बना पाया। इस अवधि में उन्होंने अपनी शारीरिक फिटनेस, क्षेत्ररक्षण कौशल और बल्लेबाजी तकनीक पर लगातार और कड़ी मेहनत की। इसी का परिणाम ये रहा कि उन्हें इस बार अवसर मिल गया है। सरफराज ने दृढ़ता से कहा कि वह भविष्य में भी अपने खेल में सुधार जारी रखेंगे, क्योंकि क्रिकेट में सीखने की प्रक्रिया कभी खत्म नहीं होती। सीएसके महेनद्र सिंह धोनी जैसे दिग्गज कप्तान के साथ बिताए गए दो महीनों के अनुभव को लेकर सरफराज काफी उत्साहित दिखे। उन्होंने बताया, मैंने सीएसके के साथ दो महीने का बहुमूल्य समय बिताया और इस दौरान मैंने धोनी भाई से बहुत कुछ सीखा। हर कोई जानता है कि उनके कमरे के दरवाजे कभी बंद नहीं होते, इसलिए जब भी हमें मार्गदर्शन या चर्चा की आवश्यकता होती, हम उनके साथ बैठकर क्रिकेट के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श करते और हमेशा कुछ नया सीखने की कोशिश करते हैं। सरफराज के अनुसार, धोनी से मिली सबसे महत्वपूर्ण सीख थी चीज़ों को आसान रखना क्रिकेट और जीवन दोनों में।

अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज से पहले सीओई में फिटनेस जांच से गुजरेंगे पंड्या

मुम्बई, एजेंसी। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या का प्रदर्शन हाल में अच्छा नहीं रहा है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में वह गेंद और बल्ले दोनो से ही संघर्ष करते हुए दिखे। इस दौरान उनकी खराब फिटनेस भी सामने आ गयी जिस कारण उन्हें कुछ मैचों से भी बाहर रहना पड़ा। ऐसे में अब अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली आगामी एकदिवसीय सीरीज में खेलने से पहले उन्हें सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में फिटनेस जांच से गुजरना होगा। इसमें पास होने पर ही वह अफगानिस्तान के खिलाफ खेल पायेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार हार्दिक पहले सप्ताह में सीओई पहुंच सकते हैं और करीब 10 दिनों तक वहां अपनी फिटनेस पर काम करेंगे। इस दौरान उनकी शारीरिक स्थिति और मैच फिटनेस का आंकलन किया जाएगा। पंड्या को अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है पर उनके खेलने को लेकर फैसला फिटनेस जांच में पास होने पर ही होगा। यदि वह सीओई में निर्धारित सभी फिटनेस मानकों को सफलतापूर्वक पूरा कर लेते हैं, तभी उन्हें सीरीज में खेलने का अवसर मिलेगा। गौरतलब है कि आईपीएल के इसी सत्र में पंड्या पीठ में ऐंठन के कारण दर्द से परेशान रहे। इसी वजह से वह कई मुकाबलों में मुंबई इंडियंस के लिए उपलब्ध नहीं थे। ऐसे में उनकी फिटनेस को लेकर चयनकर्ता और टीम प्रबंधन गंभीर है।

वैभव सूर्यवंशी अब भारत ए की ओर से त्रिकोणीय सीरीज खेलते दिखेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में शानदार बल्लेबाजी के बाद अब अगले माह भारत ए की ओर से ट्राई सीरीज में खेलते हुए दिखेंगे। वैभव को घरेलू क्रिकेट के अलावा आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के आधार पर भारत ए टीम में जगह मिली है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस उभरते हुए बल्लेबाज की धमाकेदार फॉर्म को देखते हुए उन्हें श्रीलंका ए और अफगानिस्तान ए के खिलाफ होने वाली ट्राई-सीरीज के लिए टीम में शामिल किया है। वैभव ने आईपीएल में जिस प्रकार से 16 मैचों में 776 रन बनाए हैं। उससे भी चयनसमिति प्रभावित है। उनका निडर होकर खेलने का अंदाज सबको भाया है। ऐसे में अब वह तिलक वर्मा की कप्तानी में भारत ए की ओर से खेलते हुए दिखेंगे। भारत ए टीम 9 जून से शुरू होने वाली त्रिकोणीय सीरीज खेलेगी। यह सीरीज आईपीएल सत्र समाप्त होते ही शुरू होगी। ये टूर्नामेंट 21 जून को समाप्त होगा।

भारतीय ए टीम को 9 जून को मेजबान श्रीलंका ए से होगा. इसके बाद 11 जून से अफगानिस्तान के खिलाफ उतरेगी। 15 जून को फिर से श्रीलंका ए टीम के खिलाफ उसका मुकाबला होगा। वहीं 17 तारीख को अफगानिस्तान से दूसरे लीग मैच में टीम खेलेगी।

भारत ए टीम इस प्रकार है : तिलक वर्मा (कप्तान), प्रियांश आर्य, वैभव सूर्यवंशी, रियान पराग (उपकप्तान), आयुष बडोनी, निशांत सिंधु, हर्ष दुबे, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), विप्रज निगम, यश ठाकुर, युधवीर सिंह, अंशुल कम्बोज, अरशद खान.।

पीएसजी बना यूरोप का बादशाह, पेनल्टी शूटआउट में आर्सेनल को हराकर जीता खिताब

नई दिल्ली, एजेंसी। बुडापेस्ट के पुस्कास एरिना में खेले गए रोमांचक चैंपियंस लीग फाइनल में पेरिस सेंट-जर्मेन पीएसजी ने आर्सेनल को पेनल्टी शूटआउट में हराकर लगातार दूसरी बार खिताब अपने नाम कर लिया। शनिवार को खेले गए इस मुकाबले में निर्धारित 90 मिनट और अतिरिक्त समय समाप्त होने तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर थीं। इसके बाद विजेता का फैसला पेनल्टी शूटआउट से किया गया।

शूटआउट में पीएसजी ने 4-3 से जीत दर्ज की। मैच का निर्णायक पल तब आया जब आर्सेनल के डिफेंडर गैब्रियल मैगालहेस अपनी टीम की आखिरी पेनल्टी को गोलपोस्ट के ऊपर मार बैठे। उनकी यह चूक आर्सेनल पर भारी पड़ गई और पीएसजी ने खिताब जीत लिया। पूरे मैच के दौरान दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। आर्सेनल ने क्लब को कड़ी चुनौती दी, लेकिन पेनल्टी शूटआउट में फ्रांसीसी क्लब ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए ट्रॉफी अपने नाम कर ली। इस जीत के साथ क्लब ने लगातार दूसरी बार चैंपियंस लीग का खिताब जीतकर यूरोपीय फुटबॉल में अपनी बादशाहत कायम रखी।

20 साल के हुए विश्व चैंपियन डी गुकेश , कार्लसन नें कहा अब बड़े हो गए

ओस्लो /नॉर्वे, एजेंसी। नॉर्वे शतरंज 2026 के पाँचवें दिन विश्राम का समय रहा पर भारत के वर्तमान विश्व चैंपियन डी गुकेश नें समुद्र के बीच बोट चलाते हुए अपना 20वाँ जन्मदिन मनाया । पाँच बार के विश्व नॉर्वे के मैगनस कार्लसन नें गुकेश को बधाई देते हुए मजाकिया अंदाज़ में कहा की अब आप टीनेजर नहीं रहे है अब बड़े हो गए है जन्मदिन की शुभकामनाए , गुकेश को इस खास मौके पर वर्तमान विश्व महिला चैंपियन चीन की जू वेंजुन , भारत की दो बार की विश्व रैपिड चैंपियन कोनेरू हंपी , यूएसए के वेस्ली सो , हमवतन प्रज्ञानन्दा , विश्व चैंपियनशिप में उनके सहयोगी विंसेंट केमर , हमवतन दिव्या देशमुख समेत सभी खिलाड़ियों में शुभकामनाए दी , रोचक बात यह भी थी की इस प्रतियोगिता में नहीं खेल रहे गुकेश के विश्व चैंपियनशिप चैलेंजर उज़्बेकिस्तान के जावोखीर सिंदारोव भी गुकेश के साथ एक ही नाव में माहौल का आनंद लेते नज़र आए . 18 साल में बने थे इतिहास के सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन ~ गुकेश दो साल पहले 2024 में उस समय के विश्व चैंपियन चीन के डिंग लीरेन को पराजित कर सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन बने थे और अब 20 साल की उम्र में वह 2026 के अंत में अपने खिताब का बचाव करने उतरेंगे ।

फ्रेंच ओपन को मिलेगा नया ग्रैंड स्लैम चैंपियन, सिनर के बाद जोकोविच भी हुए बाहर

पेरिस, एजेंसी। फ्रेंच ओपन 2026 में एक और बड़ा उलटफेर देखने को मिला। 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच तीसरे दौर में हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए। ब्राजील के 19 वर्षीय खिलाड़ी जोआओ फोंसेका ने दो सेट से पिछड़ने के बावजूद शानदार वापसी करते हुए जोकोविच को 4-6, 4-6, 6-3, 7-5, 7-5 से मात दी।

फोंसेका ने रचा इतिहास: करीब चार घंटे 53 मिनट तक चले इस मुकाबले में फोंसेका ने असाधारण मानसिक मजबूती दिखाई। वह ग्रैंड स्लैम मुकाबले में नोवाक जोकोविच को हराने वाले पहले किशोर खिलाड़ी बन गए। इसके साथ ही उन्होंने पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

जीत के बाद क्या बोले फोंसेका?: ऐतिहासिक जीत के बाद फोंसेका ने कहा, मैं सिर्फ जितना संभव हो सके उतनी ताकत से गेंद को हिट करने की कोशिश कर रहा था। जोकोविच बहुत कम गलतियां करते हैं और हमें आज भी लगता है कि वह 20 साल के खिलाड़ी की तरह खेलते हैं।

हार के बाद जोकोविच ने की तारीफ: रिकॉर्ड 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब की तलाश में उतरे जोकोविच ने हार के बाद अपने युवा प्रतिद्वंद्वी की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, जीत का पूरा श्रेय जोआओ को जाता है। उन्होंने महत्वपूर्ण मौकों पर मुझसे बेहतर टेनिस खेली और जीत के सही हकदार थे।

पुरुष वर्ग में बदला पूरा समीकरण : जोकोविच के बाहर होने से एक दिन पहले दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी यानिक सिनर भी दूसरे दौर में हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। वहीं मौजूदा चैंपियन कार्लोस अल्कारेज चोट के कारण पहले ही नाम वापस ले चुके थे। ऐसे में अब यह तय हो गया है कि फ्रेंच ओपन 2026 में पुरुष एकल वर्ग को नया ग्रैंड स्लैम चैंपियन मिलेगा।

ज्वेरेव और रूड की उम्मीदें बरकरार : दूसरी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने क्वेंटिन हेलिस को 6-4, 6-3, 5-7, 6-2 से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई। वहीं दो बार के फ्रेंच ओपन उपविजेता कैस्पर रूड ने अमेरिकी खिलाड़ी टॉमी पॉल को पांच सेटों में हराया। चेक खिलाड़ी जैकब मेन्सिक ने एलेक्स डी मिनौर को जबकि जेस्पर डी जोंग ने कैरेन खाचानोव को हराकर बड़ा उलटफेर किया।

महिला वर्ग में वांग जियू का शानदार प्रदर्शन : महिला एकल वर्ग में चीन की वांग जियू ने यूक्रेन की यूलिया स्टारोडुबत्सेवा को 6-3, 7-5 से हराकर चौथे दौर में प्रवेश किया। वह इस साल फ्रेंच ओपन के अंतिम-16 में पहुंचने वाली पहली चीनी खिलाड़ी बन गई हैं। वांग ने अब तक टूर्नामेंट में एक भी सेट नहीं गंवाया है और अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ ग्रैंड स्लैम प्रदर्शन किया है।

स्वियाटेक और एंड्रीवा भी अंतिम-16 में : चार बार की फ्रेंच ओपन चैंपियन इगा स्वियाटेक ने मैग्डा लिनेट को 6-4, 6-4 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई। वहीं मीरा एंड्रीवा, एलिना स्वितोलिना और जिल टेचमैन ने भी अंतिम-16 में अपना स्थान पक्का कर लिया।

शुभमन गिल के शतक पर अनिल कुंबले फिदा, बोले- वो सचमुच कप्तानी पारी थी

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 के क्वालिफायर-2 में गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने शानदार शतकीय पारी खेलकर अपनी टीम को फाइनल में पहुंचा दिया। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 215 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए गिल ने 53 गेंदों पर 104 रन बनाए और गुजरात को सात विकेट से जीत दिलाई।

गिल ने खेली कप्तानी पारी: शुभमन गिल ने अपनी पारी के दौरान 15 चौके और तीन छक्के लगाए। उन्होंने साई सुदर्शन के साथ पहले विकेट के लिए 167 रन की साझेदारी कर टीम की जीत की नींव रखी। यह आईपीएल प्लेऑफ इतिहास में सबसे बड़े सफल रन चेज में से एक साबित हुआ।

कुंबले ने की जमकर तारीफ: पूर्व भारतीय कप्तान और दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले ने गिल की पारी को कप्तान की पारी बताया। जियोहॉटस्टार पर बातचीत के दौरान उन्होंने कहा, %यह बेहद शानदार और क्लीनिकल पारी थी। जिस तरह शुभमन ने बल्लेबाजी की, उससे साफ दिख रहा था कि वह फाइनल में पहुंचने के लिए पूरी तरह तैयार थे। क्वालिफायर-1 में आरसीबी के खिलाफ हार से वह निराश जरूर रहे होंगे, लेकिन उन्होंने इस मैच में शुरुआत से ही गेंदबाजों पर दबाव बनाया।

स्पिन और तेज गेंदबाजी दोनों के खिलाफ दिखाया दम: कुंबले ने आगे कहा, शुभमन ने सिर्फ तेज गेंदबाजों के खिलाफ ही नहीं, बल्कि स्पिनरों के खिलाफ भी शानदार बल्लेबाजी की। उन्होंने अपने पैरों का बेहतरीन इस्तेमाल किया और पूरे मैच में एक भी मौका नहीं दिया। यह एक क्लासिक शुभमन गिल पारी थी। फाइनल में टीम को पहुंचाने वाला यह शतक वास्तव में कप्तान की पारी थी।

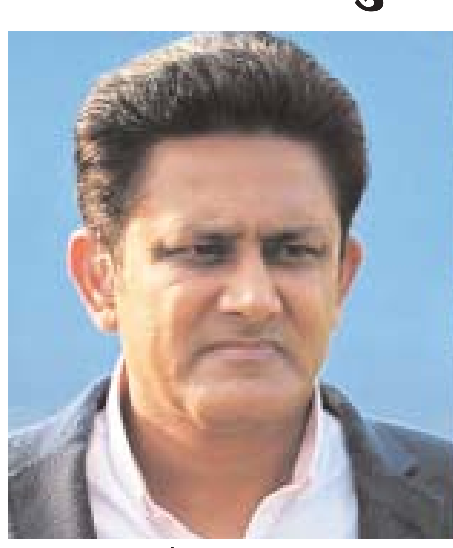

वैभव सूर्यवंशी की पारी गई बेकार: इससे पहले राजस्थान रॉयल्स ने युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की 47 गेंदों पर 96 रन की तूफानी पारी और डोनोवन फरेरा के 11 गेंदों में नाबाद 38 रन की मदद से 20 ओवर में 214/6 का विशाल स्कोर बनाया था। हालांकि गुजरात के बल्लेबाजों ने इस लक्ष्य को बौना साबित कर दिया।

GT ने रचा इतिहास: 215 रन का लक्ष्य हासिल कर गुजरात टाइटंस ने आईपीएल प्लेऑफ इतिहास का सबसे बड़ा सफल रन चेज दर्ज किया। इससे पहले यह रिकॉर्ड पंजाब किंग्स के नाम था, जिसने पिछले सीजन क्वालिफायर-2 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 204 रन का लक्ष्य हासिल किया था। यह गुजरात टाइटंस का आईपीएल इतिहास में सबसे बड़ा सफल रन चेज भी है।

फाइनल को लेकर अश्विन की बड़ी भविष्यवाणी

पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने फाइनल मुकाबले को लेकर कहा कि दोनों सबसे मजबूत और सबसे लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीमें फाइनल में पहुंची हैं। उन्होंने कहा, ÷लीग चरण के बाद दोनों टीमों के 18-18 अंक थे, इसलिए वे फाइनल की हकदार हैं। गुजरात टाइटंस मेरे लिए इस सीजन की सबसे बड़ी सरप्राइज टीम रही है। मैंने नहीं सोचा था कि वे फाइनल तक पहुंचेंगे।

अश्विन ने आगे कहा, फाइनल मुकाबला पूरी तरह 50-50 है। लेकिन अगर गुजरात टाइटंस खिताब जीत जाती है तो यह आईपीएल का सबसे बड़ा मनी हाइस्ट साबित होगा।

रीवा में गेहूं चोरी का खेल या प्रशासनिक विफलता

बैठकों पर बैठकें होती रहीं, खरीदी केंद्रों से निकलता रहा अनाज!

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी व्यवस्था को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। किसानों की मेहनत की फसल की सुरक्षा के लिए बनाए गए खरीदी केंद्रों में कथित अनियमितताओं और गेहूं की संदिग्ध निकासी के आरोपों ने प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान लगा दिया है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर जब अधिकारी लगातार बैठकें कर रहे थे निरीक्षण के दावे किए जा रहे थे और निगरानी तंत्र सक्रिय बताया जा रहा था तब खरीदी केंद्रों से गेहूं बाहर कैसे पहुंचता रहा?

हाल ही में ईटहा-हरिहरपुर खरीदी केंद्र से जुड़े मामले ने पूरे जिले में चर्चा छेड़ दी है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि किसानों से खरीदे गए गेहूं के रखरखाव और भंडारण में गंभीर लापरवाही बरती गई। वहीं यह भी आरोप लगाया जा रहा है कि खरीदी केंद्र से अनाज की निकासी लंबे समय से जारी थी लेकिन जिम्मेदार अधिकारी केवल कागजी कार्रवाई और बैठकों तक सीमित रहे। जानकारों का कहना है कि खरीदी सीजन के दौरान जिला प्रशासन खाद्य विभाग और संबंधित एजेंसियों द्वारा नियमित समीक्षा बैठकें आयोजित की जाती हैं। एसडीएम स्तर से लेकर जिला स्तर तक निरीक्षण और मॉनिटरिंग के दावे किए जाते हैं। इसके बावजूद यदि किसी खरीदी केंद्र में अनियमितता होती है तो यह निगरानी व्यवस्था की प्रभावशीलता पर गंभीर प्रश्न खड़ा करता है।

क्षेत्रीय लोगों का आरोप है कि कई बार शिकायतें करने के बावजूद ठोस कार्रवाई नहीं हुई। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि अधिकारी जांच टीम भेजते रहे रिपोर्टें बनती रहीं लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति में कोई बड़ा बदलाव दिखाई नहीं दिया। इसी बीच खरीदी केंद्रों से अनाज की संदिग्ध आवाजाही की चर्चाएं लगातार सामने आती रहीं। मामले को लेकर संभागीय स्तर तक शिकायत पहुंचने के बाद कार्रवाई की मांग तेज हो गई है। बताया जा रहा है कि शिकायत पर जांच के निर्देश भी दिए गए हैं। अब लोगों की नजर इस बात पर है कि जांच केवल औपचारिकता बनकर रह जाएगी या वास्तव में पूरे प्रकरण की निष्पक्ष पड़ताल होगी।

किसानों और सामाजिक संगठनों का कहना है कि शासन ने अधिकारियों को जनता की सेवा पारदर्शिता और शासकीय संपत्ति की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी है। ऐसे में यदि किसानों की उपज की सुरक्षा पर ही सवाल खड़े होने लगें तो यह चिंता का विषय है। लोगों का कहना है कि जिम्मेदार पदों पर बैठे अधिकारियों का दायित्व केवल बैठकों तक सीमित नहीं होना चाहिए बल्कि उन्हें जमीनी स्तर पर परिणाम भी सुनिश्चित करने चाहिए। इस पूरे मामले में कई सवा अब भी जवाब मांग रहे हैं। यदि खरीदी केंद्र में अतिरिक्त गेहूं था तो उसका रिकॉर्ड क्या था? यदि अनाज की निकासी हुई तो किसके आदेश पर हुई? निगरानी तंत्र को इसकी जानकारी क्यों नहीं लगी? और यदि शिकायतें पहले से मिल रही थीं तो समय रहते प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं की गई?

रीवा जिले की प्रशासनिक व्यवस्था पर उठ रहे इन सवालों के बीच किसान और आम नागरिक निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि यदि दोषियों की पहचान कर कठोर कार्रवाई नहीं की गई तो सरकारी खरीदी व्यवस्था पर जनता का विश्वास कमजोर होगा। अब देखना यह है कि प्रशासन इस मामले को गंभीरता से लेकर जवाबदेही तय करता है या फिर यह मामला भी अन्य विवादों की तरह जांच फाइलों तक सिमट कर रह जाता है।

मुख्यमंत्री मछुआ समृद्धि योजनार्न्तग मत्स्य पालकों से आवेदन आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मत्स्य पालन को बढ़ावा देने और रोजगार के नए अवसर सृजित करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री मछुआ समृद्धि योजना के तहत मत्स्य पालकों से आवेदन 6 जून तक आमंत्रित किये गये हैं। सहायक संचालक मत्स्य पालन डॉ. अंजना सिंह से जानकारी के अनुसार ग्रामीण तालाबों में मत्स्य बीज संवर्धन,मत्स्य बीज उत्पादन, मत्स्य पालन,स्मार्ट फिश पार्लर की स्थापना, तथा मत्स्य पालकों का प्रशिक्षण को शामिल किया गया है। यह योजना विशेष रूप से उन व्यक्तियों के लिए लाभकारी है जो मत्स्य पालन क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना चाहते हैं। योजना के तहत व्यक्तिगत मत्स्य पालक, ग्रामीण तालाबों के पट्टाधारक, मछुआ समूह, स्व-सहायता समूह एवं मछुआ सहकारी समितियाँ आवेदन करने के पात्र हैं। योजना में चयनित हितग्राहियों को शासन द्वारा नियमानुसार अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा। इच्छुक आवेदक आवश्यक दस्तावेजों सहित अपना आवेदन सहायक संचालक मत्स्योद्योग कार्यालय रीवा एवं मउगंज में जमा कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए जिला मत्स्योद्योग कार्यालय, शिल्पी प्लाजा ए-ब्लॉक में संपर्क किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री जी की मन की बात का सांसद ने किया श्रवण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का सांसद श्री जनार्दन मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने श्रवण किया। कृषि विज्ञान केन्द्र में आयोजित कार्यक्रम में विन्ध्य विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ. पंचूलाल प्रजापति, विन्ध्य विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डा. अजय सिंह सहित अधिष्ठाता डॉ. एसके त्रिपाठी, उप संचालक कृषि यूपी बागरी, कृषि वैज्ञानिक डॉ. अजय सिंह एवं अन्य कृषि वैज्ञानिक व विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत अकौरी में नवनिर्मित पीसीसी सड़क में ही आई दरार, गुणवत्ता पर उठे सवाल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के जनपद पंचायत जवा अंतर्गत ग्राम पंचायत अकौरी से भ्रष्टाचार की खबर सामने आई है बताया गया है कि तीन माह पूर्व की निर्माणाधीन सड़क में दरार आ गयी और सड़क पर गिट्टी ही गिट्टी नजर आ रही है जब ग्रामीणों ने जिम्मेदार अधिकारियों से शिकायत की तो उनका कहना है कि गर्मी के चलते दरार आ गयी। ग्रामीणों के मुताबिक ग्राम पंचायत में सरपंच और सचिव का बोलबाला है जो हर काम मे जमकर भ्रस्टाचार कर रहे है लेकिन शिकायत पर जनपद पंचायत सीईओ सहित अन्य अधिकारी जाँच करने के बजाय संरक्षण देकर बचाने की कोशिश कर रहे है।

ग्रामीणों ने बताया कि अकौरी ग्राम पंचायत के मेन रोड से दक्षिण हनुमान मंदिर की ओर जाने वाली सड़क अचानक फट गई और फटने के दौरान जोरदार आवाज के साथ कंक्रीट उखड़कर इधर उधर बिखर गए, जिससे आसपास के लोगों में अफरातफरी और भय का माहौल उत्पन्न हो गया। मौके पर पहुंचे लोगो ने देखा कि नवनिर्मित पीसीसी सड़क में लंबी दरार पड़ गई है तथा कई जगहों पर कंक्रीट उखड़ने लगा है।

जिम्मेदार अधिकारियों एवं जन प्रतिनिधियों पर लापरवाही पर उठे सवाल: घटना के बाद स्थानीय लोगों ने बताया कि सड़क निर्माण में अनियमितता एवं घटिया सामग्री उपयोग किया गया है जिसकी शिकायत निर्माण कार्य के दौरान की गई थी लेकिन किसी के द्वारा ध्यान नही दिया जिसका नतीजा सामने है कि 6 माह पूर्व की बनी सड़क फट गई और सड़क जर्जर हो गयी है। आरोप है कि ग्राम पंचायत सरपंच सचिव एवं उपयंत्री के मिलीभगत से घटिया बालू, गिट्टी और कम मात्रा में सीमेंट का प्रयोग करकर अमानक पीसीसी सड़क का निर्माण कार्य 07/10/2025 को कराया गया था। लेकिन 6 माह में ही सड़क में इतनी जल्दी दरार आने एवं गिट्टी के उखड़ जाने से स्थानीय लोगों में नाराजगी है। लोगों का कहना है कि लाखों रुपये के निर्माण के कुछ ही महीनों बाद सड़क टूटने लगे तो यह सीधे तौर पर गुणवत्ता पर सवाल खड़ा करता है। जिसके लिए ग्रामीणों ने मामले की जांच कर भ्रस्ट सरपंच,सचिव और उपयंत्री पर कार्रवाई तथा सड़क की गुणवत्तापूर्ण मरम्मत कराने की पुन: मांग की है।

फूलचंद आरख का गायब होने का पता नहीं लगा सकी डभौरा थाना की पुलिस, आरोपियों के ऊपर पूर्व में भी हत्या करने का लगा था आरोप

हेमलता आरख के बताएं अनुसार नहीं लिखी गई डभौरा थाना में रिपोर्ट

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले की थाना डभौरा के पुलिस के ऊपर गंभीर आरोप लगाते हुए हेमलता आरख निवासी नगर परिषद डभौरा वार्ड क्रमांक 2 जिला रीवा ने बताया कि 27 मई 2026 को मेरे पिता फूलचंद आरख तेंदू पत्ता तोड़ने के लिए जंगल गए थे जो लौटकर नहीं आए तब मैं थाना डभौरा रिपोर्ट करने गई मुझे डभौरा थाने का एएसआई राजेश मिश्रा के द्वारा डाटा फटकारा गया बड़े मुश्किल से 8:30 बजे रात्रि गुमशुदा का प्रकरण कायम किया गया मेरे बताएं अनुसार रिपोर्ट नहीं लिखी गई जबकि 12 मई 2026 को आरोपीय आनंद आरख उर्फ शारदा आरख वगैरा के द्वारा मेरे पिता को जान से मारने की धमकी दिया गया था और कहा गया था कि जिस तरह गुलजार यादव को मार के फेंक दिया हूं और पुलिस आज तक कार्यवाही नहीं कर पाई इसी तरह तुम्हें भी मार के फेंक दूंगा पुलिस मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकेगी पीड़ित हेमलता आरख ने बताया कि 3 वर्ष पहले मेरे पिता बहन के साथ आनंद आरख उर्फ शारदा आरख वगैरा के द्वारा मारपीट किया गया था जिसकी रिपोर्ट डभौरा थाने में की गई जो न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन है मुझे पूरा भरोसा है कि मेरे पिता को अपहरण और गायब करने में हाथ आनंद आरख उर्फ शारदा आरख का हाथ है लेकिन डभौरा थाने की पुलिस कार्यवाही नहीं कर रही है इस संबंध में संवाददाता ने डभौरा थाने में जाकर थाना प्रभारी से व्हाइट लेना चाहा थाना प्रभारी द्वारा कहा गया कि पुलिस जांच कर रही है अब देखना तो यह है कि पुलिस कब तक में फूल आरख का पता लगा करके उनके परिवार वालों को न्याय दे पाएंगे।

मासूम बच्ची के गले में फंसा प्लास्टिक का टुकड़ा, डाक्टरो ने निकाल कर बचाई जान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। संजय गांधी हॉस्पिटल के नाक कान गला विभाग में पदस्थ डॉ यासमीन सिद्दीकी ने साल भर की मासूम बच्ची के गले में फंसे प्लास्टिक के टुकड़े को निकाल कर उस मासूम बच्ची नित्या बघेल के पिता निवासी सतना ने बताया कि उनकी बच्ची ने प्लास्टिक का टुकड़ा निगल लिया था जो उसके गले में फंस गया और उसे सांस लेने में परेशानी हो रही थी। बच्ची को तत्काल सतना जिला अस्पताल लेकर आया गया जहां कोई राहत नहीं मिली। इसके बाद में सतना में ही एक निजी अस्पताल में लेकर गए जहां उसे संजय गांधी अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। बीती रात लगभग 12.00 बजे वह बच्ची को लेकर अस्पताल पहुंचे। जहां डॉक्टर यासमीन सिद्दीकी ने बच्चों के गले में फंसे प्लास्टिक का टुकड़ा निकाल कर उसे नया जीवन दिया। बच्ची की पिता ने बताया कि डॉ. यासमीन सिद्दीकी ने तत्काल बच्ची को बेहोशी देकर बड़ी मुश्किल से बगैर ऑपरेशन के प्लास्टिक के टुकड़े को निकाला।

अश्लील हरकत का विरोध पड़ा भारी, धारदार हथियार से युवक पर हमला; गंभीर घायल रीवा रेफर

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिले के हर्रई मुडहान गांव में महिलाओं के सामने अश्लील हरकत का विरोध करने पर एक युवक पर धारदार हथियार से हमला किया गया। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे रीवा रेफर किया गया है। मऊगंज थाने में घटना की शिकायत दर्ज कर ली गई है।

घायल श्रीरतन केवट के भाई सत्यनारायण केवट ने बताया कि गांव का एक व्यक्ति उनके घर की महिलाओं के सामने कपड़े उतारकर अश्लील हरकत कर रहा था। परिवार के सदस्यों ने जब इसका विरोध किया, तो दोनों पक्षों के बीच विवाद शुरू हो गया। सत्यनारायण केवट के अनुसार, उन्होंने अपने भाई श्रीरतन को इस मामले की शिकायत दर्ज कराने के लिए थाने जाने की सलाह दी। बीती रात करीब 9 बजे जब श्रीरतन केवट मऊगंज थाने रिपोर्ट दर्ज कराने जा रहे थे, तभी रास्ते में घात लगाकर बैठे कुछ लोगों ने उन पर हमला कर दिया।

पीड़ित पक्ष का आरोप है कि बाबूलाल और अशोक सहित लगभग आधा दर्जन महिलाओं और पुरुषों ने लाठी-डंडों तथा धारदार हथियार से श्रीरतन केवट पर हमला किया।

प्रधानमंत्री के मन की बात का उप मुख्यमंत्री ने किया श्रवण

प्रधानमंत्री के प्रेरणादायी विचारों को आत्मसात करें : उप मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात का उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने जनप्रतिनिधियों व आमजनों के साथ श्रवण किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि मन की बात के माध्यम से प्रधानमंत्री समाज, राष्ट्र निर्माण, जनभागीदारी एवं प्रेरणादायक प्रयासों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार साझा करते हैं जो हम सबके लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं उनके इन विचारों को आत्मसात करने की आवश्यकता है।

प्रधानमंत्री के मन की बात के 134वें संस्करण का जनपद पंचायत रीवा के प्रांगण में श्रवण करने के उपरांत शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री जी की नजर देश में हो रहे उन विशिष्ट कार्यों पर रहती है जिन पर किसी की भी नजर नहीं जा पाती। उन्होंने मन की बात में उत्कृष्ट कार्य करने वाले खिलाड़ियों सहित अन्य क्षेत्रों के लोगों से चर्चा की। वह देश के कोने-कोने में बेहतर कार्य करने वालों का जिक्र करते हैं तथा उनका हौसला बढ़ाते हैं। प्रधानमंत्री एक-एक मिनट का सदुपयोग कर देश को उत्कृष्ट राष्ट्र बनाने के लिए कृत संकल्पित हैं। शुक्ल ने कहा कि हम सबकी भी जिम्मेदारी है कि जो जिस पद पर है वह वहां बेहतर से बेहतर कार्य करें। कृषि कल्याण वर्ष में हमारे प्रदेश में रिकार्ड गेंहू की खरीदी हुई है। हमारा रीवा क्षेत्र बाणसागर की नहरों से समृद्धशाली बना है। अब इस विकास का फल आने वाली पीढ़ी को मिलेगा। युवाओं को नशे सहित अन्य सामाजिक कुरीतियों से दूर रहना होगा। शुक्ल ने जल संग्रहण व संरक्षण के कार्यों में आमजनों से सहभागिता की अपील की तथा कहा कि वर्षाकाल आने पर पेड़ लगाकर अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करें। इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्त, जनपद अध्यक्ष संगीता यादव, पूर्व विधायक केपी त्रिपाठी, जनपद सीईओ पूनम दुबे सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी व आमजन उपस्थित रहे।

पुत्र का वेंडर खाता बना सरपंच ने डकार लिया पंचायत राशि

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जनपद पंचायत जवा के ग्राम पंचायत सोहावल में गजब का भ्रष्टाचार हो रहा है पिता संरपच बेटे को पंचायत वेंडर बना करोड़ो की राशि हजम कर गये सरपंच सचिव। जहाँ एक तरफ शासन योजनाएं दे रहे कि पंचायत का विकाश हो विकाश कार्य हो उन विकाश कार्यों के नाम से ग्राम पंचायत सोहावल में केवल बंदरबाट हो रहा है। सरपंच सचिव की मिली भगत से खेल खेला जा रहा है।

फॉरेस्ट की जमीन में दिखा दिया वृक्षा रोपड़: वेंडर बना कर राशि हजम कर के संतोष नहीं हुआ तो जंगल विभाग के जमीन में ही वृक्षा रोपड़ दिखा लाखों की राशि हजम कर ली गई। कब होगी ऐसे लोगों के ऊपर कार्यवाही या ऐसे ही करते रहेगे भ्रष्ट्राचार।

नवागत कलेक्टर साहब से है जनता की उम्मीद: कलेक्टर साहब की कार्यशैली देख और भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कारवाही देख पंचायत की जनता को उमीद है कि ऐसे लोगों की जांच करवा कर उचित कार्रवाई एवं पुत्र के खाते में हुए भुगतान की वसुली की जाएगी।

पुस्तक विक्रेता संघ जिला रीवा की आवश्यक बैठक संपन्न

पुस्तक विक्रेताओं की समस्याओं के निराकरण, संगठन विस्तार एवं व्यापारी हितों पर हुई व्यापक चर्चा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। पुस्तक विक्रेता संघ जिला रीवा द्वारा आयोजित आवश्यक जिला स्तरीय बैठक रविवार को स्थानीय होटल जीत रेजिडेंसी में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुई। बैठक में जिले भर से आए पुस्तक विक्रेताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए व्यापार से जुड़ी विभिन्न समस्याओं, संगठन के विस्तार तथा व्यापारी हितों से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश शासन के लोकप्रिय उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता जी उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त संघ के संरक्षक नरेंद्र गुप्ता, कमलेश सचदेवा, एडवोकेट सुनील अग्रवाल, नरेश चुगानी, नरु भाई तथा मयंक प्रकाश गोयल सहित अनेक वरिष्ठ सदस्य मंचासीन रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता पुस्तक विक्रेता संघ जिला रीवा के अध्यक्ष संजय गुप्ता द्वारा की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती, माँ लक्ष्मी एवं भगवान गणेश के चित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम का सफल संचालन संघ के सहसचिव प्रेमचंद गुप्ता ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन संदीप श्रीवास्तव (श्री बुक डिपो) द्वारा किया गया।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में संजय गुप्ता ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पधारे सभी पुस्तक विक्रेताओं का आत्मीय स्वागत करते हुए संगठन के एक वर्ष पूर्ण होने पर सभी सदस्यों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती ही व्यापारियों की सबसे बड़ी शक्ति है। यदि सभी व्यापारी एकजुट होकर कार्य करेंगे तो उनकी समस्याओं का समाधान अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकेगा। उन्होंने वर्तमान समय में सोशल मीडिया की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए सभी व्यापारियों से अपने प्रतिष्ठान और व्यवसायिक गतिविधियों को डिजिटल माध्यमों पर भी सक्रिय रूप से प्रस्तुत करने का आह्वान किया। संघ के उपाध्यक्ष एवं अग्रसेन बुक डिपो के संचालक कमलेश अग्रवाल ने पुस्तक विक्रेताओं के समक्ष आने वाली व्यावसायिक चुनौतियों और समस्याओं पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उनके समाधान हेतु संगठनात्मक प्रयासों की आवश्यकता बताई।

संघ के सचिव मयंक प्रकाश गोयल ने उपस्थित व्यापारियों के प्रश्नों एवं जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए संगठन द्वारा किए जा रहे कार्यों एवं आगामी योजनाओं की जानकारी साझा की। संघ के संरक्षक कमलेश सचदेवा ने विभिन्न सफल संगठनों के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए संगठन को अनुशासित, सक्रिय और प्रभावशाली बनाने के लिए आवश्यक सुझाव दिए। वहीं एडवोकेट सुनील अग्रवाल ने विधिक प्रावधानों एवं नियमों के अनुरूप संगठन के संचालन की आवश्यकता पर बल देते हुए व्यापारियों को कानूनी जानकारी प्रदान की। संघ के संरक्षक नरेंद्र गुप्ता ने अपने उद्बोधन में कहा कि सभी व्यापारी शासन की गाइडलाइन एवं नियमों का पालन करते हुए पूर्ण ईमानदारी, पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ अपना व्यवसाय संचालित करें। उन्होंने कहा कि संगठन का प्रत्येक सदस्य परिवार का हिस्सा है और किसी भी व्यापारी को समस्या आने पर संगठन उसके साथ मजबूती से खड़ा रहेगा।

संघ के कोषाध्यक्ष आदित्य मिश्रा ने संगठन के सफल संचालन में आर्थिक संसाधनों की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए सभी सदस्यों से संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय सहयोग प्रदान करने का आग्रह किया।

ग्राम पंचायत कुठिला चमरौटी टोला सड़क बदहाल, जिम्मेदार बेखबर

विधायक का जनसुनवाई दिखावा मात्र- ग्रामीण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के त्योंथर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत कुठिला के वार्ड क्रमांक 14 चमरौटी टोला में कई बर्षो से सड़क बदहाल है कई बार जनपद पंचायत त्योंथर के सीईओ सहित सांसद और विधायक सिद्धार्थ राज तिवारी को आवेदन दिया गया लेकिन किसी के द्वारा ध्यान नही दिया जा रहा है जबकि चुनांव के दौरान विधायक वादा करके जाते है कि इस बार सड़क का निर्माण करा दिया जाएगा और चुनांव जीतने के बाद सभी भूल जाते है।

ग्रामीणों का कहना है कि यह सड़क नहीं,मजबूरी बन चुकी है बरसों से पानी भराव और कीचड़ की समस्या के कारण बच्चे, बुजुर्ग, किसान और आम नागरिक रोज परेशान हो रहे हैं। कई बार संबंधित अधिकारियों एवं सीईओको आवेदन दिए गए, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की हैं कि तत्काल ग्राम पंचायत का निरीक्षण कराकर पानी निकासी एवं सड़क निर्माण का कार्य कराया जाय अन्यथा ग्रामीण तहसील परिसर के समक्ष भूख हड़ताल एवं जनआंदोलन करने के लिए बाध्य हो जायेगे। यह केवल सड़क का मुद्दा नहीं, बल्कि ग्रामीणों के सम्मान, सुविधा और मूलभूत अधिकार का प्रश्न है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।